कोटद्वार, बुधवार
15 अक्टूबर 2025
वर्ष: 47
अंक: 156 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

टिहरी व उत्तरकाशी के डीपीआरओ के आदेश रद्द

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मकानों पर नंबर प्लेट लगाने के संबंध में जिला पंचायतराज अधिकारी, टिहरी गढ़वाल एवं उत्तरकाशी द्वारा जारी आदेशों को तत्काल प्रभाव से रद्द करने के साथ ही मामले की पूरी जांच कराने और दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि टिहरी गढ़वाल एवं उत्तरकाशी जिले के जिला पंचायतराज अधिकारियों के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ भारत मिशन आदि कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार करने हेतु मकानों पर नम्बर प्लेट लगाने का कार्य एक बाहरी व्यक्ति को देने से संबंधित पत्र सोशल मीडिया में वायरल हुए थे। मुख्यमंत्री ने उक्त प्रकरणों का संज्ञान लेते हुए इस संबंध में अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए कहा कि सरकार के संकल्प के अनुरूप सभी योजनाएँ और कार्यक्रम जनहित, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ लागू होने आवश्यक हैं। सभी कार्यों में स्थानीय लोगों के रोजगार और हितों का पूरा ध्यान रखने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने दोहराया कि 10 करोड़ तक के सरकारी अधिप्राप्तियों में स्थानीय लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने हेतु सरकार के द्वारा जारी आदेशों का हर स्तर पर सख्ती से अनुपालन किया जाए।

गौरीकुंड में पुलिसकर्मी ने यात्री को लौटाया 10 हजार रुपये से भरा पर्स

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा कर लौट रहे एक यात्री का गौरीकुंड आते हुए पर्स कहीं खो गया। पर्स में जरूरी कागजात के साथ ही 10 हजार रुपये की नगद राशि थी। काफी खोजबीन करते हुए उक्त यात्री परेशान हो गया। इस बीच ड्यूटी पर तैनात आरक्षी अर्जुन सिंह को गौरीकुंड बाजार से कुछ दूरी पर एक पर्स मिला। पर्स में कागजात के साथ ही 10 हजार की नगदी थी। पुलिस कर्मी मुख्य बाजार चौकी में पहुंचा। जहां उसने उनाउंसमेंट कराया। काफी प्रयासों के बाद लखनऊउत्तर प्रदेश के यात्री आनंद रस्तोगी वहां पहुंचे और पर्स की खबर सुनते ही उत्साहित हो गए। पुलिस कर्मी ने उन्हें उनका पर्स सुरक्षित लौटा दिया। इस पर उन्होंने उत्तराखंड पुलिस की प्रशंसा की। कहा कि यात्रियों के परेशानी के क्षण में पुलिस एक सारथी की तरह मददगार बन रही है।

नगर में अलकनंदा किनारे मिला अज्ञात शव

रुद्रप्रयाग। नगर क्षेत्र में अलकनंदा नदी किनारे एक शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिसे ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया है। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह नगर पालिका कार्यालय के पास अलकनंदा नदी किनारे एक अज्ञात शव मिला। नगर पालिका कार्मिकों द्वारा इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई जिसके बाद कोतवाली निरीक्षक मनोज नेगी मय फोर्स मौके पर पहुंचे। घटनास्थल से शव को बरामद करते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया। पुलिस शव की शिनाख्त करने के प्रयासों में जुटी है।

रुद्रप्रयाग में युवक ने गुलदार के मुंह से छुड़ाया अपना पालतू कुत्ता

रुद्रप्रयाग। नगर से सटे पुनाड़–भाणाधार क्षेत्र में बीते सोमवार को शाम 6 बजे के करीब गुलदार ने एक पालतू कुत्ते को निवाला बनाने के लिए जैसे ही मुंह में उठाया, तो उसी बीच ऑफिस से घर आ रहे युवक ने बहादुरी दिखाते हुए गुलदार के मुंह से अपना पालतू कुत्ता छुड़ा लिया। युवक के हौसले की सभी प्रशंसा कर रहे हैं। कुत्ते को अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया, जहां उसे 32 टांके आएं है। रुद्रप्रयाग के भाणाधार निवासी भाष्कारानंद कोठारी नगर पालिका में कर संग्रहकर्ता के पद पर कार्यरत है। हर रोज की तरह बीते सोमवार की शाम को वे दफ्तर से छुट्टी होने पर घर जा रहे थे।

जैसे ही वह मकान के दरवाजे पर पहुंचे तो गुलदार ने उनके पालतू कुत्ते को मुंह में दबाकर निवाला बनाने के लिए ले जा रहा था। यह देख वे हैरान हो गए। आनन फानन में उन्होंने बैग वहीं छोड़कर पास ही में पड़ा डंडा हाथ में लिया और गुलदार के पीछे भागने लगे। गुलदार ने दीवार फांदने से पहले कुत्ता आंगन में ही छोड़ दिया।

एलओसी पर मारे गए 100 से अधिक पाकिस्तानी आतंकी...

डीजीएमओ ने दिखाए ऑपरेशन सिंदूर के सबूत

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने दुनियाभर से आए सेनाध्यक्षों को बताया है कि भारत ने पाकिस्तान की हरकतों पर लंबे वक्त तक संयम से काम लिया है, लेकिन पहलगाम जैसे बड़े आतंकी हमले के बाद उसको ऑपरेशन सिंदूर जैसा कड़ा फैसला लेना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र में सैन्य योगदानकर्ता देशों के सेनाध्यक्षों के सम्मेलन में सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में वीडियो प्रस्तुति देकर विस्तार से जानकारी दी।

डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि अगर हम मुरिदके की बात करें, तो यह लश्कर–ए–तैयबा का मुख्य आतंकी ठिकाना है। स्क्रीन पर जो भारतीय वायुसेना की स्ट्राइक दिख रही है, वह वहीं की है। इसमें पहले और बाद की तस्वीरें हैं, जिनमें कुछ अहम आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह किया गया है। उन्होंने बताया कि ये हमले सात मई की सुबह के शुरुआती घंटों में किए गए थे। इन स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया। इसके अलावा, बहावलपुर में भी ऐसे ही हमले किए गए। उन्होंने वहां की पहले और बाद की सैटेलाइट तस्वीरें दिखाईं, जिनमें साफ देखा जा सकता है कि रॉकेट और मिसाइलें कहां जाकर लगीं। लेफ्टिन जनरल घई ने कहा कि इन इलाकों में आतंकियों और पाकिस्तानी सेना के बीच का खुला गठजोड़ साफ दिखाई दिया। यह इतनी स्पष्टता से दिखा कि हमें भी हैरानी हुई कि उन्होंने कोई एहतियात नहीं बरती। तस्वीरें खुद सारी कहानी बयान कर रही हैं। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित एक आतंकी को मारे गए आतंकियों की जनाजे की नमाज पढ़ाते हुए देखा गया। इतना ही नहीं, पाकिस्तान सेना की चार कोर के जीओसी (जनरल ऑफिसर कमांडिंग) और कई अन्य बड़े अधिकारी भी इस जनाजे में शामिल हुए थे। डीजीएमओ ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद की समस्या 1980 के दशक के अंत में शुरू हुई थी। तबसे अब तक 28 हजार से ज्यादा आतंकी घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि 1990 के दशक से अब तक अल्पसंख्यक समुदाय के एक लाख से अधिक लोगों को घाटी छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिनमें करीब 60 हजार परिवार शामिल हैं।

एंबुलेंस नहीं मिली, पिता ने 16 साल की बेटी की गोद में दम तोड़ा

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। यहां चौखुटिया में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 12 दिन से चल रहे आंदोलन के बीच इलाज नहीं मिलने से एक और मरीज की मौत हो गई।

मासी बाजार के मरीज को एंबुलेंस नहीं मिली। उसने 16 साल की बेटी की गोद में दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, मासी मुख्य बाजार निवासी 62 साल के पूरन राम कुछ समय से बीमार थे। रविवार देर रात उनका स्वास्थ्य ज्यादा बिगड़ गया। आधी रात के बाद उनकी 16 साल की बेटी दीक्षा ने एंबुलेंस के लिए फोन लगाया।

जानकारी मिली कि चौखुटिया में एंबुलेंस नहीं है। स्याल्दे से एंबुलेंस भेजी जा रही है, लेकिन जब तक एंबुलेंस पहुंचती मरीज ने दम तोड़ दिया। क्षेत्र में बीते दिनों भी इलाज नहीं मिलने से एक युवक की मौत हो गई थी। एंबुलेंस प्रभारी मनोज सामंत ने बताया कि चौखुटिया की एंबुलेंस रानीखेत गई थी। इस कारण स्याल्दे से एंबुलेंस भेजी गई थी।

मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं के दल को गंगोत्री धाम के लिए किया रवाना

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य सरकार की मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना के तहत 32 श्रद्धालुओं के एक दल को हरी झंडी दिखाकर गंगोत्री धाम के लिए रवाना किया। मंगलवार को हल्द्वानी सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुखद एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना का उद्देश्य उन्हें धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर प्रदान करना और उनके जीवन में आध्यात्मिक शांति एवं आनंद का संचार करना है। पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना हुआ श्रद्धालुओं के इस दल में 19 महिला एवं 13 पुरुष यात्री शामिल हैं। इस दल में सम्मिलित श्रद्धालु गंगोत्री धाम सहित मार्ग के विभिन्न पवित्र धार्मिक स्थलों के दर्शन करेंगे। इन यात्रियों के आवास, भोजन आदि की व्यवस्था गढ़वाल मंडल विकास नियम के पर्यटक आवास केन्द्रों में की गई है। इस अवसर पर विधायक बंशीधर भगत (कालाढूंगी), राम सिंह कैड़ा (भीमताल), भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, राज्य सरकार में विभिन्न दायित्वधारी, कुमाऊं मंडल के आयुक्त दीपक रावत, आईजी श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यटन की सभी विधाओं पर तेज गति से हो रहा है काम:महाराज

– उदयपुर में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के पर्यटन मंत्रियों के दो दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ

देहरादून। पर्यटन क्षेत्र भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देता है, क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देता है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता रखता है। हमारा प्रयास है कि देवभूमि उत्तराखंड को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिले तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका के अवसर बढ़े।

उक्त बात प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने उदयपुर में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मंगलवार से शुरू हुए दो दिवसीय ह्यराज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के पर्यटन मंत्रियों के सम्मेलन में सहभागिता करते हुए कही। उन्होंने उत्तराखंड की समृद्ध आध्यात्मिक और प्राकृतिक धरोहर को राष्ट्रीय मंच पर साझा करने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश के पर्यटन क्षेत्र को और गति देने के लिए जहां एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार नए–नए पर्यटन गंतव्यों को विकसित करने में लगे हैं वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड में भी प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पर्यटन की सभी विधाओं पर निरंतर तेज गति से काम हो रहा है। पर्यटन मंत्री महाराज ने कहा कि उत्तराखण्ड पर्यटन अब जल, थल और आकाश तीनों क्षेत्रों में नये–नये कार्यक्रम लेकर आगे बढ रहा है। उत्तराखण्ड में छल्लिअपिल्ल३४१ी के क्रम में हाई अल्टीट्यूड मैराथन का आयोजन किया जा रहा है, जो पवित्र आदि कैलाश (4700 मी.) की ऊँचाई पर होगा। इसके अलावा के तहत वॉटर फेस्टिवल, एको फेस्टिवल जैसे आयोजन और पर्यटकों के लिए नई गतिविधियाँ प्रारम्भ की जा रही हैं।

पहली बार बच्चों को पैराग्लाइडिंग के कोर्स कराए जा रहे हैं, ताकि आगे चलकर वे टैंडम पायलट्स बनकर पर्यटन की नई ऊँचाइयों को छू सकें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पर्यटन द्वारा युवाओं के लिए प्रशिक्षण की भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। थल अभियानों में बेसिक एवं एडवांस कोर्स हेतु युवाओं को स्पॉन्सरशिप दी जा रही है। जल अभियानों में फर्स्ट एड कोर्स, तथा महिलाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आकाश अभियानों में बच्चों के लिए पैराग्लाइडिंग कोर्स, जो उन्हें नये अवसर प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत सहित विभिन्न राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों से आए पर्यटन मंत्रियों के साथ देश में सांस्कृतिक विरासत संरक्षण और पर्यटन विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

अब अहमदाबाद में जज पर उछाला गया जूता

नई दिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद में भरी अदालत में एक शख्स की ओर से जज पर जूता उछाले जाने की घटना सामने आई है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अहमदाबाद की सत्र अदालत में मंगलवार को यह घटना हुई। फैसले से नाराज एक शख्स ने अदालत कक्ष में सुनवाई के दौरान न्यायाधीश की तरफ जूता उछाल दिया।

हालांकि यह साफ नहीं है कि जूता अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश तक पहुंचा या नहीं। शहर के करंज थाने के निरीक्षक पी एच भाटी ने बताया कि न्यायाधीश के निर्देश पर उस व्यक्ति को छोड़ दिया गया और उसके खिलाफ कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया गया। व्यक्ति एक मामले में अपीलकर्ता था।

करंज थाने के निरीक्षक पी एच भाटी ने कहा– अपील खारिज होने के बाद व्यक्ति गुस्से में आ गया और उसने न्यायाधीश की तरफ जूता फेंका। हालांकि, उसे अदालत के कर्मियों ने पकड़ लिया, लेकिन न्यायाधीश ने उसे जाने दिया और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि उसके खिलाफ कोई कार्रवाई न की जाए।

मदरसे में शिक्षिका को कमरे में बुला छेड़छाड़, मौलवी समेत 7 पर केस

हरिद्वार। हरिद्वार जिले के पिरान कलियर थाना क्षेत्र में शर्मनाक घटना हुई है। एक मदरसे में 3 महिला टीचर्स के साथ मारपीट किए जाने और छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। शिक्षिकाओं ने मौलवी समेत 7 अन्य पर मारपीट और छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पिरान कलियर थाना पुलिस ने मौलवी समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।प्राप्त जानकारी के मुताबिक, थाना क्षेत्र के एक मदरसे में तीन शिक्षिकाओं के साथ मारपीट और छेड़छाड़ करने के आरोप में पुलिस ने मौलवी और उसके सात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिरान कलियर थाना क्षेत्र निवासी एक शिक्षिका ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पिछले कई वर्षों से वह बच्चों को मदरसे में पढ़ा रही हैं। 12 अक्टूबर को मदरसे में पढ़ाई के दौरान एक मौलवी ने उन्हें अपने कमरे में बुलाया और जबरन छेड़छाड़ की। विरोध करने पर मौलवी ने मारपीट कर घायल कर दिया। शिक्षिका की दो महिला सहकर्मी जब उसे बचाने के लिए पहुंची तब मौलवी ने अपने 7 साथियों रिहान, मोहम्मद शाद, अफान, सुहैल आरिस और समीर को बुलाकर तीनों के साथ मारपीट की और पीड़ताओं के कपड़े फाड़ने की कोशिश की। आरोपियों ने पीड़ताओं को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ता ने बताया कि मौलवी पहले से उन पर गलत नजर रखता था, जिसकी शिकायत उन्होंने मदरसा प्रबंधक से की थी। लेकिन उस समय कोई कार्रवाई नहीं हुई। थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने कहा की तहरीर के आधार पर सोमवार देर शाम मौलवी और उसके सात साथियों के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट, अश्लील हरकतें और जान से मारने की धमकी देने समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

यूकेएसएसएससी की सहकारी निरीक्षक भर्ती परीक्षा 16 नवंबर को होगी, आयोग ने जारी की नई डेट

देहरादून। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) प्रस्तावित सहकारी निरीक्षक पदों की भर्ती परीक्षा 16 नवंबर, 2025 को आयोजित करेगा। पूर्व में प्रस्तावित पांच अक्टूबर को इस परीक्षा को आयोग ने स्थगित कर दिया था। सोमवार को परीक्षा की नयी तिथि घोषित की गई।

सहकारी निरीक्षक वर्ग–दो/ सहायक विकास अधिकारी (सहकारी) के 45 पदों के लिए लिखित परीक्षा देहरादून और हल्द्वानी के 26 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। प्रवेश पत्र कुछ समय बाद आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।

आयोग के अध्यक्ष जीएस मातोलिया ने पुष्टि करते हुए बताया कि 16 नवंबर को सहकारी विभाग की समूह–ग की परीक्षा आयोजित की जाएगी। हालांकि आयोग ने बीती 12 अक्टूबर को प्रस्तावित सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–एक (रसायन विज्ञान) व प्राविधिक सहायक वर्ग–एक (अभियंत्रण शाखा) के 10 पदों के लिए भर्ती परीक्षा पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। आयोग जल्दी ही इस परीक्षा की भी नई तिथि घोषित करेगा। बीते 21 सितंबर को आयोजित स्नातक स्तरीय भर्ती परीक्षा प्रश्न पत्र के कुछ अंश इंटरनेट मीडिया में लीक हो गए थे, इस पूरे प्रकरण की जांच की गई, जिसके बाद परीक्षा को निरस्त कर दिया गया है। जांच के दौरान कोई दूसरी भर्ती परीक्षा आयोजित करना आयोग ने उचित नहीं समझा।

उप पुस्तकालय अध्यक्ष पद की भर्ती परीक्षा का परिणाम घोषित

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) ने उप पुस्तकालय अध्यक्ष एवं सूचना सहायक / सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष / सूचीकार की 22 मार्च 2025 को ली गई लिखित परीक्षा का परिणाम सोमवार को घोषित कर दिया गया है। आयोग के सचिव डा शिव कुमार बरनवाल ने बताया कि आयोग ने अर्ह आठ अभ्यर्थियों की औपबंधिक श्रेष्ठता सूची आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी है।

मैं ढोल बजाऊंगा और वो दूल्हा बनना चाह रहे.. हरीश रावत का भगत सिंह कोश्यारी पर तीखा तंज

अल्मोड़ा। उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत अभी से गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता हरीश रावत ने पूर्व सीएम भगत सिंह कोश्यारी पर तीखा तंज कसा। उनका वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। कोश्यारी के 2027 के चुनाव में ऐक्टिव होने के सवाल पर हरीश रावत ने कहा कि वो उन बुजुर्गों में हैं, जो कहते हैं कि मेरी शादी की बात कर रहे हो क्या? बीते 12 अक्टूबर को मुन्स्यारी से लौटते वक्त हल्द्वानी में गौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के निरीक्षण के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए रावत ने कहा कि उन्हें ढोल बजाना बहुत अच्छे से आता है और 2027 के चुनाव में उनका यही काम रहेगा। इसी दौरान कोश्यारी पर तंज भी कसा।

कोश्यारी दूल्हा बनना चाह रहे

जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि 2027 के चुनाव में भगत सिंह कोश्यारी भी काफी ऐक्टिव हो गए हैं... इसके जवाब में रावत ने कहा, ह्लजब बच्चों में खुसरफुसर होती है तो ये उन बुजुर्गों में हैं जो लोगों से कहते हैं कि क्या मेरी शादी की बात चल रही है ह्व

पैसों के लेन–देन में ले ली जिगरी दोस्त की जान

हरिद्वार। हरिद्वार के बहादराबाद कस्बे में 1200 रुपए के लेन–देन में एक युवक ने अपने दोस्त की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है दोनों घनिष्ठ मित्र थे और अक्सर साथ में ही घूमते थे। पुलिस के मुताबिक रविवार रात 24 वर्षीय सौरभ पुत्र राजाराम घर पर मौजूद था। उसी दौरान मोहल्ले में ही रहने वाला 25 वर्षीय रोहित पुत्र मांगेराम घर में घुस आया। दोनों के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर बहस हुई। इसी बीच रोहित ने चाकू निकाल लिया और सौरभ पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। शोर सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले गए। नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया। वहां देर रात उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सौरभ के चाचा विवेक कुमार ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। थाना प्रभारी बहादराबाद अंकुर शर्मा ने बताया कि जांच में पता चला है कि छोटी–छोटी चोरी कर नशा करते थे लेकिन कभी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़े थे। लोगों के अनुसार सौरभ और रोहित घनिष्ठ मित्र थे। दोनों अक्सर साथ ही नजर आते थे।

पूछताछ में आरोपी रोहित ने बताया कि 12 अक्तूबर की शाम वह अपने दोस्त मृतक सौरभ के साथ महाडी स्थित देशी शराब के ठेके पर गए। यहां पर वे शराब पीने के बाद वापस अंबेडकर नगर मार्केट बहादराबाद आए। यहां दोनों के बीच 1200 रुपये के लेन देन को लेकर आपस मे गाली–गलौज व हाथापाई हो गई थी। जिसमे मृतक सौरभ ने उसको थप्पड़ मार दिया। सौरभ से बदला लेने की नियत से वह अपने घर से चाकू लेकर सौरभ के घर गया और सौरभ पर चाकू से कई बार वार किए। जिससे सौरभ लहूलुहान होकर बुरी तरह घायल हो गया। इसके बाद वह वहां से फरार हो गया।

शीर्ष माओवादी कमांडर भूपति का 60 कार्यकर्ताओं के साथ आत्मसमर्पण, टूट गया पूरा नेटवर्क

मुंबई, प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के शीर्ष कमांडर मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू ह्यदादाह्व उर्फ भूपति ने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में अपने 60 साथियों के साथ सुरक्षा बलों के सामने समर्पण कर दिया है। भूपति पर डेढ़ करोड़ रुपयों का इनाम घोषित था। उसकी पत्नी तारक्का एवं भाभी सुजाता कुछ माह पहले ही समर्पण कर चुकी हैं। भूपति का समर्पण केंद्र सरकार की ओर से माओवाद के खात्मे की दिशा में बहुत बड़ी सफलता माना जा रहा है। हालांकि अभी पुलिस अधिकारियों की ओर से इस घटनाक्रम की पुष्टि नहीं की गई है।

हथियार डालकर किया आत्मसमर्पण

पुलिस सूत्रों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार माओवादी समूह ने लंबे समय से माओवादी हिंसा का गढ़ रहे गढ़चिरौली जिले के घने जंगलों में हथियार डालकर आत्मसमर्पण कर दिया है। माओवादी पदानुक्रम में उच्च पदस्थ नेता सोनू 'दादा' ने पहले ही सरकार के समक्ष अपने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण करने की मंशा व्यक्त की थी। कुछ सप्ताह पहले उसके द्वारा सरकार को लिखे गए एक पत्र के बाद से माओवादी संगठन में भी कलह का माहौल बन गया था। उसके समकक्ष कुछ साथियों ने उसे कहा था कि डर लगता है, तो हथियार डाल दो। बताया जा रहा है कि माओवादी संगठनों में यह स्थिति पिछले कुछ महीनों में कई बड़े माओवादियों के मारे जाने एवं कई के आत्मसमर्पण करने के कारण पैदा हुई है।

माओवादियों से पूछताछ जारी

आत्मसमर्पण करने वाले कार्यकर्ताओं, जिनमें महिलाएं और निचले स्तर के कार्यकर्ता शामिल हैं, से सुरक्षा बल वर्तमान में पूछताछ कर रहे हैं, ताकि माओवादी नेटवर्क, ठिकानों और भविष्य की योजनाओं के बारे में महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी हासिल की जा सके।

यह घटना महाराष्ट्र के पूर्वी जिलों में तीव्र माओवाद विरोधी अभियानों के बीच घटित हुआ है।

अतिथि शिक्षकों को हटाना शुरू किया

देहरादून। भले ही शिक्षा मंत्री ने मंगलवार को एलटी शिक्षकों को नियुक्त पत्र देते वक्त यह दावा किया कि अतिथि शिक्षकों को नहीं हटाया जाएगा, लेकिन इसके उलट शाम तक कई स्कूलों से अतिथि शिक्षकों को हटाने की सूचना आने लगी थी। माध्यमिक अतिथि शिक्षक संघ एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री राजपाल सिंह रावत ने कहा कि ऐसे करीब पांच सौ नियुक्ति पत्र जारी हुए हैं, जहां पहले से अतिथि शिक्षक तैनात हैं और 500 अतिथि शिक्षकों की नौकरी जानी तय है। मंडलीय निदेशक कुमाऊं और गढ़वाल की ओर से अतिथि शिक्षकों के हटाने के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

मंगोलिया के विकास में भारत भरोसेमंद साझेदार

राष्ट्रपति खुरेलसूक उखना से मुलाकात पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगोलियाई राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के साथ व्यापक वार्ता के बाद मंगलवार को कहा कि भारत मंगोलिया के विकास में एक दृढ़ और विश्वसनीय साझेदारह्व रहा है। उखना सोमवार को भारत की चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे थे। राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है।

'भारत–मंगोलिया के बीच है आध्यात्मिक जुड़ाव'

मंगोलिया के राष्ट्रपति के साथ बातचीत के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत मंगोलिया के लोगों को मुफ्त ई–वीजा उपलब्ध कराएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और मंगोलिया के बीच संबंध सिर्फ कूटनीतिक नहीं हैं। इसमें आध्यात्मिक जुड़ाव भी है। उन्होंने कहा, ह्लसदियों से दोनों देश बौद्ध धर्म के सिद्धांतों से बंधे हुए हैं, यही कारण है कि हमें आध्यात्मिक सहोदर भी कहा जाता है।

सम्पादकीय

औपचारिकताओं का अतिक्रमण अभियान

उत्तराखंड में अतिक्रमण की मार पहाड़ से लेकर मैदान तक नजर आती है। प्रत्येक जनपदों में न जाने कितनी ही बार जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई संबंधी अभियान चलाए जाते हैं लेकिन लगता है मानो इस अभियान का ना तो कोई अंत है और ना ही अतिक्रमण कार्यों का कोई ठौर ठिकाना। दोनों ही पक्ष अपनी अपनी जगह पर काबिज है लेकिन दिक्कत यह है कि व्यवस्था है जो सुधारने का नाम ही नहीं ले रही। राजधानी देहरादून में भी पिछले दो दशकों से अतिक्रमणों को हटाने का अभियान का खेल ना जाने कितनी बार खेला गया है, लेकिन 25 सालों में भी अतिक्रमण का यह दिखावटी खेल समाप्त होता ही नजर नहीं आ रहा है। स्थिति यह है कि फुटपाथ से लेकर नदी नाले और अब तो सरकारी जमीनों तक में अतिक्रमण कर दिए गए हैं। कुछ अतिक्रमण गरीब तबके के हैं तो कुछ अतिक्रमणों पर मठाधीशों एवं सफेदपोषण के संरक्षण में हैं। शासन की कार्रवाई अक्सर निम्न तबके के लोगों के द्वारा किए गए अतिक्रमणों तक ही सीमित नजर आती है या फिर यातायात संचालन के नाम पर ठेली और दुकानों पर बुलडोजर चला कर औपचारिक क्रिया पूरी की जाती है। कैसी विडंबना है कि जिन थाने चौकिया के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण के अभियान चलाए जाते हैं वहीं की पुलिस को अन्य दिनों में यह अतिक्रमण कभी नजर ही नहीं आए। जाहिर है हर गलत काम के पीछे कोई ना कोई कीमत छिपी होती है जिसका लाभ किसी न किसी तक पहुंचता ही है। आज राजधानी जगह–जगह पर अतिक्रमण का शिकार है जिससे यातायात भी बाधित हो रहा है। बात करें घंटाघर से लेकर राजपुर या फिर शहर के दूसरे मागी में तो सड़क किनारे खुली अस्थाई दुकानें खुलेआम जिला एवं पुलिस तंत्र को मुंह चिढ़ाती हुई नजर आती है। हद तो यह है कि ठीक घंटा घर के नीचे ही चकराता रोड पर अतिक्रमण की भरमार है तो वहीं असले हाल पर ठेली खोपचे वालों का पूर्ण अधिकार बना हुआ है। अतिक्रमण की कार्रवाई महज एक दिखावा है जिसका परिणाम कम से कम कार्रवाई के बाद भी कभी नजर नहीं आया। जाहिर है कुछ काम सिर्फ दिखाने के लिए किए जाते हैं ताकि कहीं ना कहीं, किसी न किसी को कुछ जवाब तो देने के लिए बाकी रहे अन्यथा क्या कारण है कि ठाणे चौकियों की नाक के नीचे ही फुटपाथों से लेकर नदी नालों तक पर कब्जे हैं और सारा तंत्र कुंभकरण जैसी घनी नींद लिए आराम से सो रहा है।

बिहार: वोट खरीद की विद्रूपता के भरोसे एनडीए!

सत्येन्द्र रंजन

फिलहाल यही नजर आता है कि बिहार में 6 और 11 नवंबर को होने जा रहे मतदान एक सामान्य चुनाव का हिस्सा होंगे। इसमें कोई ऐसा नया तत्व नहीं है, जो मतदाताओं में नई आशाएं पैदा करे। प्रशांत किशोर नया तत्व जरूर हैं, मगर अरविंद केजरीवाल की यादें अभी इतनी ताजा हैं कि उनका नयापन कोई उम्मीद पैदा नहीं करता। तो कुल मिलाकर सूरत यह बनती है कि चुनावबाज दल, नेता, और मीडियाकर्मी (हर चुनाव की तरह) इस चुनाव को लेकर जितने उत्साहित नजर आते हैं, वैसे उत्साह की कोई वजह आम जन को शायद ही नजर आती होगी!

बिहार के सबसे नए राजनीतिक उद्यमी प्रशांत किशोर को इसका श्रेय देना होगा कि उन्होंने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सत्ताधारी एनडीए को सुशासन के दावे और भ्रष्टाचार के मुद्दे से वंचित कर दिया है। वरना, लालू–राबड़ी के कथित जंगल राज का हौव्वा खड़ा करना हर चुनाव में एनडीए की खास रणनीति रहती थी। ये दीगर बात है कि इस बार जंगल राज की याद दिलाने की सबसे ज्यादा कोशिश प्रशांत किशोर कर रहे हैं!

किशोर ने एनडीए नेताओं सम्राट चौधरी, अशोक चौधरी, दिलीप जायसवाल आदि पर गंभीर इल्जामों की झड़ी लगा रखी है। इससे ना सिर्फ एनडीए को कठघरे में खड़ा दिखा है, बल्कि इस कारण सत्ताधारी गठबंधन की अंदरूनी दरारें भी सामने आई हैं। परिणाम यह हुआ है कि भाजपा– जनता दल (यू)– एलजेपी– हिंदुस्तानी आवाम पार्टी का गठबंधन अब पूरी तरह 'वोट खरीदइ और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर निर्भर हो गया है।

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण भाजपा की चुनावी रणनीति में मौजूद स्थायी तत्व है। पार्टी नेता कभी इसे पृष्ठभूमि में रखते हैं, तो कभी जरूरत के हिसाब से उसे उग्र रूप देते हैं। कई राज्यों में सिर्फ यही तत्व भाजपा को चुनाव जिताने में कारगर रहता आया है। मगर बिहार में अभी तक इसके निर्णायक होने का भरोसा शायद भाजपा नेतृत्व को नहीं है। इसीलिए नीतीश कुमार के मुखौटे की जरूरत उसे अभी भी है। नीतीश ढलान के दौर में हैं। बार–बार पाला बदलने से उनकी पुरानी छवि नष्ट हो चुकी है। सुशासन का नकाब उतर चुका है। उनकी सेहत को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं हैं। फिर भी भाजपा उन्हें मुखौटा बनाए रखने पर मजबूर है, तो उसकी वजह अपनी ताकत पर पार्टी नेताओं का अविश्वास ही है।

नीतीश कुमार ने जो गंवाया है, उसकी चुनावी भरपाई उन्होंने मुक्त हाथ से सरकारी पैसा बांट कर करने की कोशिश की है। लगभग डेढ़ करोड़ परिवारों में महिलाओं के खाते में दस हजार रुपये का ट्रांसफर, लाखों युवाओं को दो साल तक हर महीने एक हजार रुपये का बेरोजगारी भत्ता, वृद्धावस्था एवं विकलांग पेंशन में भारी बढ़ोतरी, होमगार्ड्स के भत्तों में इजाफा, राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते की नई किस्त आदि जैसी कई घोषणाएं हैं, जिन्हें सीधे तौर पर 'वोट खरीदइ योजना की श्रेणी में रखा जा सकता है। भारत में अब इस योजना का आम चलन हैं। मगर नीतीश सरकार इसे एक नई ऊंचाई और नई विद्रुपता तक ले गई है।

चुनावों के संदर्भ में ऐसी योजनाएं कारगर रहती आई हैं। वैसे तो इनका चलन पहले भी था, लेकिन केंद्रीय सत्ता में आने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार इसे जो नीतिगत रूप दिया, वह अभूतपूर्व है। मोदी सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रह्मण्यम ने इसे 'कल्याण संबंधी नई सोचइ कहा है। मतलब यह कि समाज एवं अर्थव्यवस्था के निर्माण की दीर्घकालीन योजनाओं में निवेश के बजाय पैसा सीधे लोगों के हाथ में दिया जाए। इससे लोगों को महसूस होता है कि सरकार/ सत्ताधारी नेता ने उनके लिए कुछ किया है। दीर्घकालीन योजनाओं का लाभ सीधे किसी को महसूस नहीं होता– इसलिए चुनावी लिहाज से वे ज्यादा फायदेमंद नहीं होतीं!

भाजपा का आकलन है कि 2024 में लोकसभा चुनाव में हार के बाद महाराष्ट्र में विधानसभा का चुनाव उसने ऐसी ही योजनाओं– खासकर लाड़ली बहन

योजना– के जरिए पलट दिया। अब वही पैटर्न बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए ने अपनाया है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक इस दांव का अच्छा असर हुआ है। क्या यह निर्णायक होगा, यह जानने के लिए हमें 14 नवंबर का इंतजार करना होगा, जिस रोज वोटों की गिनती होगी।

चुनाव नतीजों को तय करने में संभवतः एक फैक्टर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी का भी होगा। किशोर ने अपना यह उद्यम लॉन्च करने के बाद से कुछ ऐसी ध्वनियां पैदा की हैं, जिनकी झंकार दूर तक गई है। हालांकि किशोर अपनी पार्टी की अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी से तुलना पसंद नहीं करते, मगर उनकी ध्वनियां और कार्यसूची काफी कुछ केजरीवाल से मेल खाती हैं। मीडिया इंटरव्यूज में किशोर ने कहा है कि आंदोलन और क्रांति में उनका भरोसा नहीं है, इसलिए अन्ना आंदोलन की कोख से निकली आम आदमी पार्टी से जन सुराज की तुलना नहीं की जानी चाहिए। मगर दो बातें इन प्रयोगों को एक जगह खड़ी करती हैं: आम आदमी पार्टी के आरंभिक दिनों में योगेंद्र यादव जैसे इसके सिद्धांतकार यह खुलेआम कहते थे कि इस नई पार्टी की कोई विचारधारा नहीं है– यह समाधान उन्मुख पार्टी है। पार्टी विचारधारा में बिना बंधे लोगों की समस्याओं का समाधान निकालना चाहती है। दिल्ली में दस वर्ष के शासनकाल में आम आदमी पार्टी ने बिजली, पानी शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था के क्षेत्र में लोक–लुभावन पहल को अपनी खास पहचान बनाने की कोशिश की।?

जन सुराज ने अपना मुख्य एजेंडा बिहार में स्कूली शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करना और पलायन रोकना बताया है। पार्टी का दावा है कि यही बिहार की मुख्य समस्याएं हैं, जिसका समाधान वह पेश करेगी। जन सुराज भी किसी खास विचारधारा की बात नहीं करती। इस रूप में संभवतः वह भी खुद को समाधान उन्मुख पार्टी ही मानती है।? जन सुराज के बैनरों पर महात्मा गांधी और भीम राव अंबेडकर की तस्वीरें नजर आती हैं। पंजाब में कामयाब होने से पहले तक आम आदमी पार्टी ने भी इन्हीं दो तस्वीरों का सहारा लिया था। पंजाब में उसने गांधीजी की जगह भगत सिंह की तस्वीर को दे दी।?

एक अन्य समानता केजरीवाल और प्रशांत किशोर की अपनी पृष्ठभूमियां हैं। दोनों सुविधा–संपन्न और पेशेवर समूह से आए हैं और दोनों के डिस्कोर्स मध्य वर्गीय रंग लिए रहे हैं।? अन्ना आंदोलन के जरिए केजरीवाल ने दिल्ली में अपनी सियासी जमीन तैयार की थी। प्रशांत किशोर ने बिहार में दो साल की पदयात्राओं के जरिए अपनी जमीन बनाने की कोशिश की है। केजरीवाल ने पुराने राजनीतिक दलों को एक जैसा (सब आपस में मिले हुए हैं) बता कर खुद पर दांव लगाने के लिए मतदाताओं को उत्प्रेरित किया था। इसमें वे सफल रहे। प्रशांत किशोर का भी सारा दांव इस आकलन पर है कि बिहार में मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा लालू और नीतीश में से एक को चुनने की मजबूरी से तंग आ चुका है। अतः नया विकल्प सामने होगा, तो वे मतदाता उस पर दांव लगाएंगे। क्या ऐसा होगा? इस विधानसभा चुनाव के संपन्न होने तक यह सवाल महत्त्वपूर्ण बना रहेगा।?

फिलहाल यह अनुमान लगाया जा सकता है कि जन सुराज पार्टी की उपस्थिति दर्ज होगी। किस हद तक– यह कहना अभी कठिन है। जन सुराज का दांव एनडीए और महागठबंधन– दोनों से वोट छीनने पर टिका है। इस सिलसिले में उसकी ध्वनियों का प्रभाव देखा गया है। मगर मतदान का निर्णय अंततः कई अन्य पहलुओं से तय होता है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण से प्रभावित मतदाताओं का भाजपा के साये में खुद को 'सुरक्षितइ महसूस करना इस वक्त ऐसा एक पहलू है। 'संविधान और सामाजिक सद्भाव बचानेइ के लिए भाजपा को किसी कीमत पर हराना एक दूसरा पहलू है। बिहार में गुजरे तीन दशकों से लालू समर्थन और विरोध भी ऐसे पहलू रहे हैं। ऐसे सामाजिक वर्गों के मतदाता बड़ी संख्या में मौजूद हैं, जो लालू राज के दौरान हुए अपने 'सशक्तीकरणइ को याद रखे हुए हैं।

क्या प्रशांत किशोर की ध्वनियां इन तमाम पहलुओं को मात दे पाएंगी? या उन ध्वनियों का असर सीमित रहेगा, नतीजतन जन सुराज वोट कटवा अधिक भूमिका नहीं निभा पाएगी? वह सबसे ज्यादा किसके वोट काटेगी? क्या बिहार में बदलाव चाहने वाले मतदाताओं के एक हिस्से को आकर्षित कर यह सत्ताधारी गठबंधन की मददगार बनेगी? अथवा, नीतीश कुमार से ऊबे ऐसे मतदाताओं को यह अपनी ओर खींचेंगी, जो लालू यादव से नाराजगी के कारण महा–गठबंधन को वोट नहीं देते और इस रूप में यह महा–गठबंधन की सहायता करेगी? ये सब ऐसे सवाल हैं, जिन पर बिहार चुनाव के पूरे दौर में चर्चा जारी रहने वाली है।

फिलहाल, जो नजर आता है, वो यह है कि सत्ताधारी गठबंधन की संभावनाएं सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और 'वोट खरीदोइ योजना की सफलता पर टिकी हुई हैं। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के अंदर विभिन्न जातियों को प्रतिनिधित्व देकर भाजपा ने जो 'सोशल इंजीनियरिंगइ देश के ज्यादातर हिस्सों में की है, बिहार उससे अलग नहीं है। एनडीए में नीतीश कुमार को मिली अहमियत खुद उसी 'सोशल इंजीनियरिंगइ का हिस्सा है। फिलहाल, इस रणनीति के कमजोर पड़ने के संकेत नहीं हैं। इसीलिए 'सुशासनइ जैसे दावों के बेनकाब होने, भ्रष्टाचार का मुद्दा हाथ से निकलने और विकास के मोर्चे पर तमाम नाकामियों के बावजूद इस चुनाव में एनडीए की (दौड़ में अग्रिम स्थान) कायम नजर आती है।

दूसरी तरफ महा–गठबंधन अपने सीमित सामाजिक समीकरण के साथ एंटी–इन्कबैंसी के भरोसे ही है। महा–गठबंधन के प्रमुख दल– आरजेडी का अपना सामाजिक आधार मजबूत बना रहा है। सिर्फ इस समीकरण की ताकत के आधार पर उसे लगभग एक चौथाई वोट मिल जाते रहे हैं।

इसके साथ एंटी–इन्कबैंसी का पहलू जुड़े, तो आरजेडी अपने साथी दलों– कांग्रेस, लेफ्ट, विकासशील इनसान पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा आदि के साथ सत्ता के करीब पहुंच सकता है। मगर एक तरफ रुपयों की बारिश कर नीतीश कुमार सरकार ने और दूसरी तरफ इंटी–इन्कबैंसी वाले वोट का एक और दावेदार बन कर जन सुराज ने महा–गठबंधन की संभावनाओं के बारे में अस्पष्टता पैदा कर दी है।

चिदंबरम के कहे का क्या है अर्थ?

बलबीर पुंज

दशकों तक स्वतंत्र भारत की विदेश नीति विदेशी विचारधारा से बंधी रही है। इसी वजह से भारत को बार–बार उन मुल्कों के आगे भी झुकना पड़ा, जो लंबे समय तक भारतीय हितों के खिलाफ खड़े थे। सालों तक भारत ने फिलिस्तीन और इस्लामी देशों का समर्थन किया, जबकि वह कश्मीर के मसले पर मजहब के नाम पर पाकिस्तान का साथ देते रहे। पिछले 11 वर्षों से भारतीय नेतृत्व इस पराजित मानसिकता से मुक्त है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी।चिदंबरम के हालिया खुलासे का निहितार्थ क्या है? 17 साल पहले जब वर्ष 2008 में मुंबई पर पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित भीषण 26/11 आतंकवादी हमला हुआ, जो चार दिनों तक चला, जिसमें सीमापार से आए दस जिहादियों ने 166 मासूमों को मौत के घाट उतारा और देश का एक बड़ा वर्ग प्रतिशोध की ज्वाला में धधकता रहा– तब तत्कालीन कांग्रेस नीत तत्कालीन संप्रग सरकार (2004–14) विदेशी दबाव– विशेषकर अमेरिकी नेतृत्व के कहने पर पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिकार स्वरूप कोई भी सैन्य कार्रवाई करने से पीछे हट गई। बकौल चिदंबरम, उस वक्त मेरे मन में आया कि बदला लेना चाहिए।।। मैंने प्रधानमंत्री और बाकी अहम लोगों से इस मामले पर चर्चा की थी, लेकिन निष्कर्ष काफी हद तक विदेश मंत्रालय और विदेश सचिवों से प्रभावित था कि हमें स्थिति पर सीधे प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए, इसकी जगह कूटनीतिक तरीका अपनाना चाहिए। उन्होंने आगे स्वीकार किया, उस समय अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस, मेरे पद संभालने के दो–तीन दिन बाद मुझसे और प्रधानमंत्री से मिलने आई थीं।।। उन्होंने कहा था कि प्रतिक्रिया नहीं दें। मुझे पी।चिदंबरम के बयान पर कोई हैरानी नहीं। दरअसल, यह मानसिकता न ही देश में नई है और न ही चिदंबरम का यह मानस 2008 के आतंकी हमले तक सीमित है।

बात ज्यादा पुरानी नहीं है। अमेरिकी–यूरोपीय प्रतिबंधों के दबाव में 1995 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने पोखरण परमाणु परीक्षण रोक दिया था। लेकिन 1998 में अटल बिहारी वाजपेयीजी ने दोबारा सत्ता में आते ही इन पश्चिमी धमकियों को नजरअंदाज करके पोखरण में परीक्षण किया और भारत को परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित भी कर दिया। आज जो चिदंबरम 26/11 के समय अमेरिकी दबाव में पाकिस्तान पर कार्रवाई नहीं करने की बात स्वीकार रहे है, उन्हीं चिदंबरम ने 27 मई 1998 को लोकसभा में चर्चा करते हुए पोखरण परमाणु परीक्षण को सत्ता–लोलुप एजेंडा और नैतिक अधिकारों के खिलाफ बताते हुए कहा था– ।।हम परमाणु हथियार बनाने के खिलाफ हैं, हम परमाणु बमों का भंडार तैयार करने के खिलाफ हैं, हम इन हथियारों को सेना में शामिल करने के खिलाफ हैं, और हम भारत को हथियारों की दौड़ में झोंकने के भी खिलाफ हैं। आपने जो किया है, उससे हमारे दोनों बड़े पड़ोसी अब दुश्मन बन गए हैंज्। क्या 1998 और 2025 में प्रकट चिदंबरम के मानस में कोई अंतर दिखता है? क्या बकौल चिदंबर 1998 से पहले भारत के पाकिस्तान और चीन से संबंध मधुर थे? वर्ष 1962 में भारत को वामपंथ शासित चीन के हाथों शर्मनाक शिकस्त झेलनी पड़ी थी, जिसमें देश ने अपनी हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन भी खो दी। यह सब नेहरूजी की आत्ममुग्धता में चीन की कुटिल साम्राज्यवादी नियत को न समझ पाने का नतीजा था। पंचशील समझौता, सुरक्षा परिषद की सदस्यता चीन को देना और 'हिंदी–चीनी भाई–भाईइ जैसे नारे अंत में भारत के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हुए। ऊपर से अमेरिका के सामने पं।नेहरू द्वारा बार–बार मित्रतें करने से देश की संप्रभुता और आत्मसम्मान को भी ठेस पहुंची। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अधिकारी ब्रूस रीडेल ने अपनी किताब जेएफके फॉरगॉटन क्राइसिसः तिब्बत, द सीआईए एंड द सीनो–इंडियन वॉर में पं।नेहरू द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ। कैनेडी को लिखे गुप्त खतों के कुछ हिस्से उजागर किए हैं। इन पत्राचारों में नेहरूजी ने लिखा था– हमें 12 स्क्वड्रन सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों की सख्त जरूरत है।

अली अब्बास जफर की अगली फिल्म में दिखेगी अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी

सैयारा फेम अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी बड़े पर्दे पर पहली बार साथ दिखाई देगी। यह जोड़ी अली अब्बास जफर की नई फिल्म में साथ दिखाई देने वाली है, इस बात की पुष्टि हो गई है। फिलहाल फिल्म का नाम फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन पता चला है कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने इसके अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने इस खबर की पुष्टि करते हुए आईएएनएस से कहा, सैयारा ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है और अहान पांडे आज हमारे देश के सबसे बड़े जेन जी अभिनेता हैं। शरवरी 100 करोड़ रुपये की ब्लॉकबस्टर फिल्म मुंज्या का भी हिस्सा थीं। आपके पास दो शानदार कलाकार हैं जिन्होंने साबित कर दिया है कि सिर्फ उम्दा अभिनय ही लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है।

उन्होंने आगे कहा, दशकों बाद आपके पास बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परिणाम देने वाले नवोदित और युवा कलाकार हैं। यह अली अब्बास जफर जैसे बड़े फिल्म निर्माताओं को एक ऐसी युवा फिल्म बनाने के लिए उत्साहित करता है, जो रोमांटिक होने के साथ ही एक एक्शन फिल्म भी है।

सूत्र ने आगे कहा कि इन दोनों युवा कलाकारों को डायरेक्ट करने के लिए अली अब्बास जफर भी उत्साहित हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। इसे आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है के बाद अली जफर और आदित्य चोपड़ा की यह पांचवीं फिल्म है।

'मुझे मेंटल कोच की जरूरत', गौतम गंभीर ने वेस्टइंडीज सीरीज के बाद दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच होना आसान बात नहीं है। सेलेक्शन की माथापच्ची से लेकर हारने के बाद मिलनी वाली आलोचना, सबका सिरदर्द लेना होता है। ऐसे में जब युवा कप्तान को टीम की जिम्मेदारी दी जाए तो फिर कोच की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। संभवतः इसी कारण भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर का कहना है कि उन्हें मेंटल कोच की जरूरत है। टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2–0 से हरा दिया। अब भारत को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर निकलना है जिसकी शुरुआत 19 अक्तूबर से हो रही है। ऐसे में दिल्ली में खेल गए दूसरे टेस्ट मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब गंभीर से पूछा गया कि क्या गिल को मेंटल कोच की जरूरत है? तो गंभीर ने मजाक में उनकी जगह अपना नाम ले लिया।

'मुझे है जरूरत'

गंभीर का आज जन्मदिन भी है। इसी दिन भारत ने उन्हें जीता का तोहफा दिया है। जब गिल को मेंटल कोच की जरूरत का सवाल आया तो गंभीर ने कहा, "सबसे पहली बात। मुझे जरूरत है।" ये गिल की कप्तानी में भारत की पहले टेस्ट सीरीज जीत है। इंग्लैंड दौरे पर उन्होंने टीम का भार संभाला था और मुश्किल स्थिति में से सीरीज ड्रॉ कराकर लौटे थे। इस सीरीज में गंभीर के कई फैसले सवालों के घेरे में थे। हालांकि, टीम के प्रदर्शन ने उन पर पर्दा डाल दिया था, लेकिन गंभीर की जमकर आलोचना हुई थी।

मेरी है जिम्मेदारी

गंभीर ने बतौर कोच अपनी जिम्मेदारी को भी बयां किया। उन्होंने कहा कि जब टीम जीतती तो सब अच्छा रहता है, लेकिन जब हारती है तो कोच की जिम्मेदारी बनती है कि वह सभी खिलाड़ियों का ख्याल रखे। उन्होंने कहा, "जब टीम जीतती है तो हर कोई अच्छी स्थिति में रहता है। लेकिन जब नहीं जीतती है तो मुझे उन्हें अच्छी स्थिति में रखना होता है।"

इंटरनेशनल म्यूज़िक फेस्टिवल अनटोल्ड दुबई 2025 में ग्लोबल स्टार नोरा फतेही मुख्य होंगी आकर्षण

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह दुनिया के सबसे बड़े और बहुप्रतीक्षित म्यूज़िक फेस्टिवल्स में से एक हज़ारहुष्ठ दुबई 2025 के स्टार–स्टडेड लाइनअप में शामिल होंगी। यह फेस्टिवल 6 से 9 नवम्बर तक एक्सपो सिटी दुबई में आयोजित होगा, जहां नोरा, जे बाल्विन, मार्टिन गैरिक्स और एलन वॉकर सहित विश्व के कुछ सबसे बड़े संगीत हस्तियों के साथ मंच साझा करेंगी। यह फेस्टिवल, जो अपनी भव्य प्रस्तुति, विविध कलाकारों की मौजूदगी और अद्भुत अनुभव के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, इस वर्ष अपने शानदार अंदाज़ में वापसी कर रहा है, और नोरा का मुख्य परफॉर्मेंस इस फेस्टिवल की सबसे बड़ी आकर्षणों में से एक होने वाली है। दर्शक उम्मीद कर सकते हैं एक हाई–एनर्जी प्रस्तुति की, जिसमें नोरा की सिग्नेचर डांस एनर्जी, पॉप स्टाइल और इंटरनेशनल साउंड का अनोखा संगम देखने को मिलेगा – जो एक ग्लोबल परफ़ॉर्मर के रूप में नोरा के विकास को दर्शाता है।

फिल्मफेयर 2025 : कृति सेनन अपनी खास परफॉर्मेंस से एक मशहूर एक्ट्रेस को देंगी सलामी

गुजरात के अहमदाबाद में 70वें फिल्मफेयर अवार्ड्स 2025 का आयोजन 11 अक्टूबर को होगा। शहर की कांकरिया झील स्थित ईकेए एरिना में होने वाले इस कार्यक्रम में बॉलीवुड के कई सेलेब्स स्टेज पर परफॉर्म करते दिखाई देंगे। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन का नाम भी शामिल है। उन्होंने आईएएनएस को दिए स्पेशल इंटरव्यू में बताया कि इस बार वह अपनी परफॉर्मेंस के जरिए एक महान अदाकारा को ट्रिब्यूट देती दिखाई देंगी। आईएएनएस से अपनी परफॉर्मेंस की डिटेल शेयर करते हुए कृति सेनन ने कहा, फिल्मफेयर मेरे दिल के बहुत करीब है, जहां हम सिनेमा, उसकी कहानियों और उन्हें साकार करने वालों के प्रति अपने प्यार का उत्सव मनाते हैं। 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में इस साल परफॉर्म करना मेरे लिए जादुई अनुभव है। मैं एक प्रेरणादायक महिला को अपनी प्रस्तुति से सलामी दूंगी और दर्शकों के साथ इस पल को जीने के लिए उत्साहित हूं।

गजब बेइज्जती है भाई! रोहित–गिल को पीछे छोड़ने के बाद भी जमकर ट्रोल हो रहे हैं 'किंग' बाबर आजम

नई दिल्ली। पाकिस्तान में किंग के नाम से मशहूर बल्लेबाज बाबर आजम एक बार फिर ट्रोल्स के निशाने पर हैं। बाबर साउथ अफ्रीका के खिलाफ लाहौर में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। लेकिन उसे बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर पाए। हालांकि, इस दौरान उन्होंने शुभमन गिल को पीछे छोड़ा फिर भी सोशल मीडिया उनकी जमकर बेइज्जती की जा रही है। पहली पारी में बाबर आजम ने 23 रन बनाए। दूसरी पारी में वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन 72 गेंदों पर 42 रन बनाकर आउट हो गए। अपनी पारी में उन्होंने पांच चौके मारे थे। उनका विकेट कैगिसो रबाडा ने लिया। उन्होंने बाबर को एलबीडब्ल्यू आउट किया।

गिल को छोड़ा पीछे

इस पारी के दौरान उन्होंने भारत की टेस्ट टीम के नए कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़ दिया। वह आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 3000 रन पूरे करने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज बन गए हैं। एशियाई क्रिकेटरों में टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बाबर के नाम ही हैं। उन्होंने 3021 रन बनाए हैं। उनके बाद गिल के नंबर है जो 2826 रन बनाने में सफल रहे हैं। तीसरे नंबर पर ऋषभ पंत हैं जिनके नाम 2731 रन हैं। रोहित शर्मा 2716 रनों के साथ चौथे नंबर पर हैं।

फिर भी हो रही है ट्रोलिंग

बावजूद इसके बाबर की जमकर ट्रोलिंग हो रही है। सोशल मीडिया पर बाबर को जमकर कोसा जा रहा है और उनके किंग वाले तमगे पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इसका कारण बाबर का लंबे समय से इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक न जमाना है। बाबर ने 74 इंटरनेशनल पारियों से इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक नहीं जमाया है।

संक्षिप्त समाचार

लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करें : पालिकाध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मंगलवार को नगर पालिका सभागार में हुई पालिका बोर्ड बैठक में पिछली बैठक में तय कार्यों के पूरे न होने पर सभासदों ने नाराजगी जताई। बैठक में सिलेथ में बनाई गई पालिका की गोशाला को सुचारू करने, शहर में स्ट्रीट लाइटों से लेकर नियमित सफाई, बिजली पोल लगाएं जाने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। पालिकाध्यक्ष ने अफसरों को निर्देश दिए कि लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए और सफाई व्यवस्था में सुधार लाया जाए। बताया कि आपदा के टूटे पुश्ता नालियों को भी जल्द ठीक किया जा रहा है। पालिकाध्यक्ष हिमानी नेगी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सदस्यों ने कहा कि पुराने काम शुरू नहीं हो पा रहे हैं। जिस पर पालिकाध्यक्ष ने कहा कि सभी कामों को गुणवत्ता के साथ शुरू किया जा रहा है। इस बीच बारिश के कारण काम शुरू नहीं हो पाए। पालिकाध्यक्ष ने बताया कि 11 वार्डों में करीब 8 करोड़ के 41 काम होने हैं। इनमें तेजी लाई जा रही है। इसी के साथ सफाई व्यवस्था पर कहा कि मैन पॉवर की कमी भी सामने आ रही है उचित प्रबंधन कर इसे भी ठीक किया जा रहा है। सभासदों ने शहर में बढ़ते लावारिस पशुओं की समस्या पर चिंता जताई और सिलेथ गौ सदन को शुरू करने के लिए कहा। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि यहां सोलर लाइट लगाई जा रही है। दो सप्ताह के भीतर इसे शुरू किया जाएगा। बैठक में प्रभारी ईओ गायत्री बिष्ट, सभाषद सूरज बिष्ट, अरविन्द रावत, शूभम रावत, सुमन, बृजमोहन, सुमित्रा, संगीता रावत, प्रदीप असवाल, युद्धवीर सिंह, रेखा चौहान, गौरव सागर आदि मौजूद रहे।

डिजिटल ट्रेनिंग के लिए युवा 21 अक्टूबर तक करें आवेदन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला उद्योग केंद्र कोटद्वार के तत्वावधान में युवाओं के लिए ई-कॉमर्स डिजिटल मार्केटिंग की ट्रेनिंग 24 अक्तूबर से शुरू होगी। इच्छुक युवा 21 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते है। इस ट्रेनिंग के लिए युवाओं का चयन साक्षात्कार से किया जाएगा। चयनित युवाओं को प्रतिदिन आठ घंटे का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस ट्रेनिंग का मकसद डिजिटल दौर में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलना है। ई-कॉमर्स डिजिटल मार्केटिंग पर आधारित इस कार्यक्रम उन युवाओं के लिए एक अवसर है जो डिजिटल मार्केटिंग, ऑनलाइन व्यापार और ई-कॉमर्स के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं। जिला उद्योग केंद्र के जीएम सोमनाथ गर्ग ने बताया कि युवाओं के कौशल विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के मकसद से यह ट्रेनिग जिला उद्योग केंद्र में शुरू की जाएगी। इसमें युवाओं को आधुनिक तकनीकी, डिजिटल लेन देन आदि की जानकारी दी जाएगी। इस ट्रेनिग में हिस्सा लेने के लिए स्नातक और बेसिक आईटी कौशल की योग्यता जरूरी है। इसके तहत कुल 25 सीटें रखी गई है। इनका चयन साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। आवेदन के लिए 21 अक्टूबर अंतिम तिथि रखी गई है। प्रशिक्षण 24 अक्टूबर से 17 नवम्बर 21 दिन का दिया जाएगा। हर दिन 8 घंटे का प्रशिक्षण रखा गया है। प्रशिक्षण का संचालन ग्राफिका इंस्टीट्यूट करेगा।

सूक्ष्म सिंचाई तकनीक से महिला कृषक बनी आत्मनिर्भर

रुद्रप्रयाग। जनपद के ग्रामीण अंचलों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ग्रामोत्थान परियोजना नई राह दिखा रही है। इसी योजना में मनसूना की महिला कृषक बिछना देवी, शेयरधारक एवं सदस्य, उदान सीएलएफ ने सूक्ष्म सिंचाई तकनीक अपनाकर सफलता की मिसाल पेश की है। सूक्ष्म सिंचाई एक आधुनिक जल प्रबंधन तकनीक है, जो पौधों की जड़ों तक सीमित मात्रा में पानी पहुंचाती है। यह जल संरक्षण के साथ-साथ जलवायु-स्मार्ट कृषि का उत्कृष्ट उदाहरण है। वर्ष 2023 में ग्रामोत्थान परियोजना में बिछना देवी को व्यक्तिगत उद्यम सूक्ष्म सिंचाई गतिविधि के लिए चयनित किया गया। इस उद्यम की कुल लागत 50500 रही, जिसमें 25250 बैंक ऋण और 10250 उनका व्यक्तिगत अंशदान रहा जबकि 15000 रीप सहायता के रूप में प्राप्त हुए। बिछना देवी ने इस तकनीक से सब्जी उत्पादन शुरू किया और अब मनसूना एवं उखीमठ के बाजारों में अपनी सब्जियां बेच रही हैं। इससे उन्हें वार्षिक 70000 से 80000 तक की आय प्राप्त हो रही है। उनकी सफलता से प्रेरित होकर अन्य महिलाएं भी सूक्ष्म सिंचाई तकनीक अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। अब वे अपने उत्पादों का मूल्यवर्धन करने के लिए अचार, पापड़ निर्माण एवं आटा चक्की इकाई स्थापित करने की योजना बना रही हैं। मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने कहा कि ग्राम्य क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सूक्ष्म सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकें न केवल जल संरक्षण में सहायक हैं,

बरसात थमने के बाद भी हाईवे पर चुनौतियां कम नहीं

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य पहाड़ी से अब भी आ रहा मलबा व बोल्डर,कीचड़ व गड्ढों के कारण दोपहिया वाहनों की बढ़ रही चुनौती

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भले ही मानसून की वापसी हो गई हो। लेकिन, मानसून के जख्म अब भी चुनौती बन रहे हैं। हालत यह है कि कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर अब भी पहाड़ी से मलबा व बोल्डर गिर रहा है। दरअसल, पहाड़ी में फंसे बोल्डर के नीचे से मिट्टी सूखते ही वह सिखक रहे हैं। ऐसे में कब दुर्घटना हो जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। सबसे अधिक खतरा आमसौड़ से करीब पांच सौ मीटर पहले पुलिया के समीप बनी हुई है।

दो वर्ष पूर्व वर्षाकाल के दौरान कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग बदहाल हो गया था। राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब दस से अधिक डेंजर जोन बने हुए थे। पांच से अधिक स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा खोह नदी में समा गया था। ऐसे में होना तो यह चाहिए था कि सरकारी सिस्टम इस वर्ष वर्षाकाल से पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग की मरम्मत करवाता। लेकिन, सिस्टम ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। नतीजा, इस वर्ष वर्षाकाल में राष्ट्रीय राजमार्ग और अधिक बदहाल हो गया है। डेंजर जोन की संख्या दस से बढ़कर बीस से अधिक हो गई है। आठ से अधिक स्थानों पर हाईवे का हिस्सा खोह नदी में समा गया है। लालपुल से करीब एक किलोमीटर आगे हाईवे लगातार खोखला होता जा रहा है। बरसाती रपटे के समीप भी पहाड़ी से बोल्डर सड़क पर आ रहा है। दरअसल, पहाड़ी में प्राकृतिक स्रोत बनने से पानी के साथ कीचड़ भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ रहा है। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कब मोटर साइकिल रपटकर खोह नदी में समा जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य आमसौड़ के समीप हाईवे बदहाल होने के कारण रेंग-रेंगकर चलते वाहन

सूख रही मिट्टी खिसक रहा बोल्डर

कोटद्वार से दुगड्डा के मध्य 15 किलोमीटर के सफर में दस से अधिक ऐसे स्थान हैं जहां पहाड़ी से अब भी बोल्डर गिरने का खतरा बना हुआ है। दरसअल, मिट्टी गीली होने से बोल्डर पहाड़ी पर अटके हुए थे। लेकिन, मिट्टी सूखते ही अब बोल्डर अपनी जगह छोड़ हाईवे पर आ रहे हैं। ऐसे में वर्षाकाल थमने के बाद भी रहागिरों की चुनौती बरकरार है। आमसौड़ के समीप हाईवे का आधा हिस्सा खोह नदी में समाया हुआ है और आधे हिस्से में पहाड़ी से बोल्डर गिर रहे हैं।

एलयूसीसी पीड़ितों की अनदेखी नहीं होगी बर्दाश्त

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : द लोनी अरबन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-आपरेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) के पीड़ितों का धरना मंगलवार को भी जारी रहा। पीड़ितों ने सरकार से जल्द से जल्द उनकी डूबी हुई रकम वापस दिलवाने की मांग उठाई।एलयूसीसी पीड़ित तहसील परिसर में धरने पर डटे रहे। एलयूसीसी पीड़ितों ने शासन-प्रशासन पर आंदोलन की अनदेखी का आरोप लगाया। कहा कि कंपनी में डूबी रकम वापस करने की मांग को लेकर लगातार धरना दे रहे है। कहा कि प्रदेश सरकार एक तरफ सीबीआई जांच करवाने की बात कर रही है, लेकिन अभी तक कंपनी के फरार संचालकों की गिरफ्तारी भी नहीं हो पाई है। पीड़ितों ने कहा कि अब तो निवेशक भी उनपर पैसे वापस करने का दबाव बना रहे है, जिससे उनकी मानसिक स्थित खराब हो रही है। उन्होंने शासन-प्रशासन से फरार संचालकों को गिरफ्तार कर डूबी रकम वापस दिलाने की मांग की है। इस मौके पर सुरेश सिंह नेगी, जयपाल सिंह सिंह रावत, संदीप सिंह, बीरेंद्र सिंह रावत, सुनीता रावत, सुरेश नेगी, हरेंद्र सिंह, राजेंद्र नेगी, लक्ष्मण सिंह, प्रीति रावत, रजनी रावत, सुनीता नेगी, मीनाक्षी मौजूद रहे।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान गंभीरता करें : डीएम

डीएम ने ली समग्र शिक्षा एवं प्रधानमंत्री पोषण जिला परियोजना समिति की समीक्षा बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में मंगलवार को समग्र शिक्षा एवं प्रधानमंत्री पोषण जिला परियोजना समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

बैठक में डीएम ने कहा कि समावेशी शिक्षा के तहत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान गंभीरता से हो। इसके लिए रेस्टर के अनुसार स्कूलों का नियमित निरीक्षण करते हुए बच्चों की काउंसलिंग की जाए व उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ दिलाया जाए। डीएम ने कहा कि स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाए। वर्चुअल लैबों को व्यवस्थित रूप से संचालित किया जाए। निर्माण कार्यों की वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा हो। डीएम ने राजीव गांधी नवोदय विद्यालय संतूधार में इनवर्टर, गीजर, वाशिंग मशीन आदि खरीदने के लिए ढाई लाख की अतिरिक्त स्वीकृत भी दी।मंगलवार को आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका स्कूल त्रिपालीसैंण की गुणवत्ता और वहां की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना की समीक्षा के दौरान डीएम ने सख्त निर्देश दिए कि खराब गुणवत्ता वाली खाद्य सामग्री बच्चों तक न पहुंचे। बीआरसी और सीआरसी स्तर पर आयरन दवाओं तथा एल्बेंडाजोल की एक्सपायरी की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को कम से कम 15 दिन पहले दे दी जाए। आपदा प्रभावित विद्यालयों के भवनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार कर मरम्मत कराने के निर्देश दिए। सीईओ नागेंद्र बर्त्वाल ने बताया कि वर्तमान में 1335 प्राइमरी, 252 उच्च प्राथमिक और 302 हाईस्कूल और इंटर कॉलेज संचालित हैं।

प्रतियोगिता में निशांत व ईवा डेबरा रही प्रथम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत डीएवी पब्लिक स्कूल में मिनी मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा आठवीं से बारहवीं कक्षा के बालक वर्ग में निशांत गुसांई व कक्षा छठवीं से सातवीं कक्षा के बालिका वर्ग में ईवा डोगरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य नितिन भाटिया ने किया।

पांच किलोमीटर मैराथन दौड़ मालवीय उद्यान से प्रारंभ होकर झंडाचौक, तीलू रौतेली, गब्बर सिंह कैंप होते हुए डीएवी पब्लिक स्कूल के मैदान में संपन्न हुई। मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं से बारहवीं बालक वर्ग में निशांत गुसाईं ने प्रथम, शुभम नेगी ने द्वितीय व पार्थ नेगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा छठवीं एवं सातवीं व बालिका वर्ग में ईवा डोगरा प्रथम, प्रियांशु द्वितीय व तनुश्री भारद्वाज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया प्रमाण पत्र देकर सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मंगलवार को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के वाणिज्य विभाग में वाणिज्य परिषद के तत्वावधान में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

वाणिज्य विभागीय परिषद के अंतर्गत आयोजित निबंध प्रतियोगिता, चार्ट प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता में विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.एस. नेगी ने कहा कि विभाग में आयोजित प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने परिषद के

कार्यों की सराहना करते हुए छात्रों को अकादमिक गतिविधियों के साथ-साथ सह पाठ्यक्रमिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। विभाग प्रभारी प्रो. डॉ. प्रीति रानी ने बताया कि वाणिज्य परिषद निरंतर छात्रों की प्रतिभा को निखारने के लिए ऐसे आयोजन करता रहता है। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. ऋचा जैन, डॉ. एस. के. गुप्ता, डॉ. प्रियंका अग्रवाल, डॉ. संदीप अग्रवाल, डॉ. अंशिका बंसल उपस्थित रहे।

दुर्घनाग्रस्त हुई मोटर साइकिल, तीन घायल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गुमखाल के निकट एक मोटर साइकिल के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। भेल्डा बड़ा निवासी हिमांशु अपने साथियों मंजीत व अंश के साथ मोटर साइकिल में सवार होकर सतपुली से अपने घर लौट रहे थे। तभी गुमखाल के निकट मोटर साइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई और बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तीनों घायलों को आकस्मिक सेवा वाहन 108 से राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने तीनों घायलों को भर्ती करवा दिया है।

पूर्व सैनिक राजाराम अण्थ्वाल की भूख हड़ताल जारी

लालढांग-चिल्लरखाल वन मोटर मार्ग निर्माण की मांग को लेकर बैठे है भूख हड़ताल पर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल वन मोटर मार्ग निर्माण की मांग को लेकर पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं पूर्व सैनिक अध्यक्ष राजाराम अण्थ्वाल भूख हड़ताल चौथे दिन भी जारी रही। धरना स्थल पर लालढांग, कोटद्वार क्षेत्र से भारी संख्या में क्षेत्रवासी लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग बनाने के समर्थन में पहुंच रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई भी अधिकारी, शासन और जनप्रतिनिधि धरना स्थल चिल्लरखाल बैरियर पर नहीं पहुंचे है, जिससे आंदोलनकारियों में रोष व्याप्त है।

मंगलवार को धरना स्थल पर प्रवीण थापा ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि आखिर जनता के चुने हुए प्रतिनिधि जनता को आश्वस्त करने के लिए अब तक क्यों नहीं पहुंच पाए हैं। पूर्व सैनिक

रविंद्र सिंह सौंद ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की इस तरह की लुकाछिपी निश्चित ही गलत मंशा को दर्शाता है। कहा कि लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग की मजबूत पैरवी सरकार को अतिशीघ्र करनी चाहिए। कहा कि जनप्रतिनिधियों को धरना स्थल पर पहुंचकर बात रखनी चाहिए कि सरकार इस मार्ग के लिए क्या कर रही है। इस मार्ग की समस्या का समाधान कामचलाऊ डामरीकरण से नहीं होगा, क्योंकि कोटद्वार, गढ़वाल और लालढांग की जनता को 24 घंटे इस मार्ग की आवश्यकता है, इसलिए इस मार्ग पर फ्लाई ओवर ब्रिज बनने चाहिए, ताकि वन्यजीव और आम जनमानस के हितों का संरक्षण हो और जनता इस मार्ग का लाभ मिल सके। इस मौके पर लोकगायक संजय सिंह रावत, पूर्व सैनिक संघर्ष समिति उपाध्यक्ष देवेंद्र रावत, पूर्व सैनिक ध्यान सिंह बिष्ट, मुकेश ममगाई, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष रमेश भंडारी, मदन सिंह बिष्ट, सुभाष त्यागी, नरेश धस्माना, धर्मेंद्र सिंह नेगी, रमेश चंद्र खंतवाल, दान सिंह अधिकारी, धीरज नेगी, जीत सिंह मेहरा, मधुसुदन सिंह नेगी, कांता प्रसाद कंडवाल, देवी प्रसाद ममगांई, कमल किशोर जोशी, दिगम्बर बिष्ट, संदीप रावत, कपिल खुल्बे, महेंद्र सिंह, सूरज सिंह, अनूप सिंह चौहान, महेंद्र सिंह मेहरा, डबल सिंह नेगी, मीना देवी, कमला देवी, जयंती बोहरा, माया अधिकारी, प्रेमा वजेटा, शांति राणा, राधा देवी, उर्मिला देवी, ममता बलोदी, पार्वती बिष्ट आदि मौजूद थे।

पर्यावरणीय चुनौतियों से जुड़े पहलुओं पर किया मंथन

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के चौरास परिसर में जारी हिमालयी क्षेत्र में एरोसोल, वायु गुणवत्ता एवं जलवायु परिवर्तन पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन मंगलवार को विभिन्न विषयों पर केंद्रित अनेक समानांतर वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. आलोक सागर गौतम ने बताया कि सत्रों में देश-विदेश के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया और पर्यावरणीय चुनौतियों से जुड़े विविध पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। वक्ता डॉ. रंजीत कुमार ने ग्लोबल एयर क्राइसिस ब्रिजिंग ट्रेडिशनल विस्डम एंड मार्डन साइंस पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कहा कि वायु प्रदूषण केवल एक तकनीकी या वैज्ञानिक समस्या नहीं है, बल्कि यह हमारी जीवनशैली, संस्कृति और ज्ञान परंपरा से गहराई से जुड़ा हुआ विषय है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष लगभग 70 लाख लोगों की मृत्यु वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों के कारण होती है। डॉ. दन मणि लाल ने एरोसोल क्लाउड लाइटनिंग इंटरेक्शन ऑवर इंडो एंड गैंगेटीक प्लेन में एरोसोल और वायुमंडलीय प्रक्रियाओं के जटिल संबंधों पर प्रकाश डाला। बताया कि इंडो-गैंगेटिक मैदान में एरोसोल की मात्रा में वृद्धि से बादलों की सूक्ष्म संरचना, वर्षा की प्रक्रिया और बिजली की गतिविधियों पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। उनके अध्ययन में यह भी पाया गया कि अधिक एरोसोल सांद्रता से वर्षा में विलंब और स्थानीय आंधी-तूफान की तीव्रता में वृद्धि होती है। डॉ. जितेंद्र बुटोला ने मानवजनित जलवायु परिवर्तन के गहन प्रभावों और उनके समाधान पर चर्चा की। बताया कि जलवायु परिवर्तन न केवल पर्यावरण को बल्कि मानव स्वास्थ्य, कृषि और जैव विविधता को भी प्रभावित कर रहा है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र अंश सिंह रावत के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम अंश रावत एवं मेरी पत्नी का नाम सुनीता रावत दर्ज हो गया है, जो कि गलत है। जबकि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम अंश सिंह रावत एवं मेरी पत्नी का नाम अनीता रावत है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र का सही व वास्तविक नाम अंश सिंह रावत एवं मेरी पत्नी का नाम अनीता रावत दर्ज कर ऑनलाईन जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

मुकेश सिंह रावत पुत्र श्री भगत सिंह रावत निवासी ग्राम व पोस्ट बालासौड़, पट्ट, सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1287/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हमारा पुत्र संदीप कुमार व पुत्रवधु श्रीमती ऋतु हमारे कहने सुनने में नहीं है तथा हमें हमारे मकान व जमीन जायजाद को फर्जी तरीके से खुर्द बुर्द करने की धमकी व मारपीट आदि पर आमाद फिसाद रहते है। हमने अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से अपने पुत्र संदीप कुमार व उसकी पत्नी ऋतु को बेदखल कर दिया है। उनका हमारी चल एवं अचल सम्पत्ति पर कोई हक अधिकार न रहा। यदि कोई भी व्यक्ति व संस्था उनसे कोई भी सौदा व लेनदेन करता है तो उसकी जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी। इसलिए हमारा पुत्र संदीप कुमार व उसकी पत्नी ऋतु हमारी सम्पत्ति पर कोई क्लेम की अधिकारी नहीं है।

सुखदेव प्रसाद उर्फ सुदामा प्रसाद पुत्र राम प्रसाद व श्रीमती माया देवी पत्नी सुखदेव प्रसाद उर्फ सुदामा प्रसाद निवासी ग्राम गोर्ली, पट्टी दक्षिणी मौदाड़स्यूं, तहसील सतपुली, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1288/21)

श्रीनगर बेस अस्पताल की बड़ी उपलब्धि, दोनों घुटनों का सफल प्रत्यारोपण

श्रीनगर गढ़वाल : वीर चंद्र सिंह गढ़वाली राजकीय मेडिकल कॉलेज के बेस अस्पताल के ऑर्थोपेडिक विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। यहां पहली बार डॉक्टरों की टीम ने एक ही ऑपरेशन में 76 वर्षीय महिला मरीज के दोनों घुटनों का सफल प्रत्यारोपण किया है। इससे पहले आमतौर पर डॉक्टर एक बार में केवल एक ही घुटने का प्रत्यारोपण करते आए हैं। कुंजविहार, श्रीनगर निवासी रामेश्वरी देवी (76) पिछले कई वर्षों से घुटनों के दर्द से पीड़ित थीं। उनके दोनों घुटने घिस चुके थे और अंदर की ओर मुड़ गए थे, जिससे उठने-बैठने और चलने-फिरने में भारी परेशानी होती थी। कई अस्पतालों में इलाज कराने के बाद भी उन्हें आराम नहीं मिला। ऐसे में उन्होंने वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मेडिकल कॉलेज के ऑर्थोपेडिक विभाग के सीनियर प्रोफेसर एवं प्रमुख डॉ. दया कृष्णा टम्टा से परामर्श लिया। डॉ. दया कृष्णा ने जांच के बाद उन्हें दोनों घुटनों के जोड़ प्रत्यारोपण की सलाह दी। इसके बाद 9 अक्टूबर को दोनों घुटनों का ऑपरेशन एक साथ किया गया। ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और मात्र तीन दिन बाद ही मरीज को वॉकर की मदद से अपने पैरों पर खड़ा कर चलाया गया। अब मरीज को घुटने मोड़ने में कोई परेशानी नहीं है और दर्द में भी काफी राहत मिली है। इस सफल सर्जरी से श्रीनगर मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों ने चिकित्सा क्षेत्र में एक नया आयाम जोड़ा है। मरीज ने स्वस्थ होकर डॉक्टरों और अस्पताल प्रशासन का आभार जताया। ऑपरेशन टीम में डॉ. सुखजीत, एनेस्थीसिया विभाग से सीनियर प्रोफेसर डॉ. अजय विक्रम सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वंदना गेहरवाल, डॉ. मनीष ग्यारा और डॉ. दर्शन की अहम भूमिका रही। डॉ. आशुतोष सयाना, प्राचार्य, राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर गढ़वाल ने बताया कि ''एक ही ऑपरेशन में दोनों घुटनों का सफल प्रत्यारोपण हमारे चिकित्सकों की उच्च दक्षता, टीमवर्क और समर्पण का परिणाम है।

मार्च पास्ट में ऑल सेंट कॉन्वेंट स्कूल नई टिहरी ने मारी बाजी

सेंट जोसफ कॉन्वेंट स्कूल में तीन दिवसीय अंतर विद्यालयी खेल प्रतियोगिताएं शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सेंट जोसफ कॉन्वेंट स्कूल में तीन दिवसीय अंतर विद्यालयी खेल प्रतियोगिताएं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुरू हो गई है। मार्च पास्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ऑल सेंट कॉन्वेंट स्कूल नई टिहरी, द्वितीय स्थान पर सेंट जोसफ कॉन्वेंट स्कूल कोटद्वार, तृतीय स्थान पर सेंट मेरी स्कूल घनसाली रहा। मार्च प्रतियोगिता में 32 विद्यालयों के लगभग 1200 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूड़ी भूषण, विशप नेल्लाइ परमबिल वर्तमान बिजनौर बिशप, डा. साकेत बडोला कार्लेट टाइगर रिजर्व के निदेशक, अम्ब्रीश त्रिपाठी बीईएल के महाप्रबंधक, खंड शिक्षा अधिकारी दुगड्डा ब्लॉक अमित कुमार

चंद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस मौके पर विशप नेल्लाइ परमबिल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह खेल प्रतियोगिता केवल मात्र खेल नहीं है अपितु यो दो भाषा-भाषी सुदेशों की भावनाओं को जोड़ने बाली एक मैत्रीपूर्ण पूर्ण प्रतियोगिता है। विस अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन के साधन नहीं है बल्कि इसके द्वारा शारीरिक और मानसिक विकास भी होता है, इसलिए खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। इस मौके पर आयोजित बालिका वर्ग गोला फेंक प्रतियोगिता में सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल हल्दौर, सेंट जोसफ कॉन्वेंट, सेंट मैरी स्कूल भिक्कावाला व सेंट पीटर स्कूल कीरतपुर, सीनियर बालिका वर्ग में सिंट मेरी स्कूल नजीबाबाद, सेंट पीटर स्कूल कीरतपुर व ज्योति विद्यालय जोशीमठ, हत्था सेंट पॉल इण्टर कॉलेज मंडावर, गोला फेंक सीनियर बालक वर्ग में ह्यसेंट जोसफ कॉन्वेंट कोटद्वार, सेंट जोसफ स्कूल योदराजपुर, कृष्ट जयंती स्कूल बड़िया, सब जूनियर गोला फेंक बालिका वर्ग में सेंट जोसफ कॉन्वेंट स्कूल कोटद्वार, सेंट जोसफ स्कूल तिमारपुर, सेंजो स्कूल किलकिलेश्वर, सीनियर बालक वर्ग लंबी कूद में सेंट मेरी इंटर कॉलेज मंडावली, सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल ह्यहल्दौर, कृष्ट जयंती स्कूल बड़ियों, बालिका वर्ग में सेंट पीटर स्कूल कीरतपुरी, सेंट थेरेसा स्कूल श्रीनगर, सेंट मेरी स्कूल अफजलो ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जिला पंचायत की बोर्ड बैठक में 65.33 करोड़ का अनुमानित बजट पारित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला पंचायत अध्यक्षा रचना बुटोला की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार पौड़ी में जिला पंचायत की पहली बोर्ड बैठक आयोजित की गयी। बैठक में सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित जनसमस्याओं को विस्तार पूर्वक सदन के समक्ष रखा गया। सदन के बोर्ड की बैठक में छः समितियों का गठन किया गया। वहीं 2025-26 के लिए 65 करोड़ 33 लाख का अनुमानित बजट पारित किया गया।मंगलवार को आयोजित बैठक में

मुख्य रूप से लोनिवि, पेयजल, सड़क, विद्युत, वन, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, ग्रामीण विकास विभागों से जुड़ी समस्याओं और योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गयी। अध्यक्ष रचना बुटोला ने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, मानव वन्यजीव संघर्ष की समस्या पर प्राथमिकता से कार्य किया जाएगा। जहां भी पेयजल या विद्युत आपूर्ति में बाधा है, वहां विभागीय समन्वय के साथ तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत सदस्यों द्वारा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक सुझाव भी दिए गए। अधिकारियों ने सदस्यों द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर आवश्यक कार्यवाही किए जाने का आश्वासन दिया। अध्यक्ष ने कहा कि जिला पंचायत का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचलों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है, जिसके लिए सभी विभागों और जनप्रतिनिधियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष आरती नेगी, प्रभागीय वनाधिकारी पौड़ी वन प्रभाग अभिमन्यु सिंह, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, अपर मुख्य अधिकारी भावना रावत सहित अन्य जिला पंचायत सदस्य व विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना

विभाग	Electrical (TRD)	टेंडर सं.	T-10-TRD-MB-28-26
कार्य का नाम: मुरादाबाद मंडल के MB-CHBE, CH-HDJ, CN-BLM-SPC और DJL-MZM खंडों की साइकिल सुरक्षा के लिए स्काडा प्रणाली का प्रावधान।			
निविदा जमा करने की अंतिम दि-नांक एवं समय	05.11.2025, 11:00 hrs		
कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	₹ 2,07,94,469.06/- (GST @18% सहित)		
बिड सिक्योरिटी राशि (रु.)	₹ 2,79,000/-	निविदा प्रलेख मूल्य (रु.)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 Days	कार्य पूरा करने की अवधि	06 Months
वेबसाईट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in, Divisional Railway Man

संक्षिप्त समाचार

बच्चों के आपसी खेल के दौरान हुए विवाद में दो परिवारों के बीच हिंसक झड़प

देहरादून। पटेलनगर कोतवाली क्षेत्र के गांधीग्राम में बच्चों के आपसी खेल के दौरान हुए विवाद ने दो परिवारों के बीच हिंसक झड़प का रूप ले लिया। शिकायत पर सोमवार को पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पटेलनगर पुलिस को दी गई तहरीर में गांधीग्राम निवासी सरला ने बताया कि बीते 10 अक्तूबर को दोपहर करीब 3:30 बजे उनका छह और दस वर्ष का बेटा घर के बाहर गली में खेल रहे थे। इसी दौरान गली से गुजर रहे पड़ोस के दो बच्चों से इनका धक्का लग गया है। आरोप है कि धक्का लगने के बाद सरला के बच्चों से आरोपी बच्चों ने मारपीट की। मारपीट में एक बच्चे के हाथ में तीन टांके आए। दूसरे के सिर में डंडा लगा। जब बच्चों की माता और दादी इसकी वजह पूछने आरोपी पक्ष के घर गईं तो परिवार ने एकजुट होकर मारपीट शुरू कर दी। सरला के अनुसार आरोपी दोनों बच्चों के अलावा इनके परिवार के सदस्य बृज किशोर और राम किशोर ने पीड़ति, पीड़ति की माता मुन्नी देवी, बुआ पुष्पा के साथ मारपीट की। इस मारपीट में मुन्नी देवी के सिर, पुष्पा के बाएं हाथ और सरला को गुम चोटें आईं। इन सभी का मेडिकल भी कराया गया है। आरोप है कि मारपीट के दौरान जान से मारने की धमकी भी दी गई। इंस्पेक्टर पटेलनगर सीबीएस अधिकारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर आरोपी दोनों बच्चों, बृज किशोर और राम किशोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिटायर सैनिक को जमीन बेचने की डील कर 66 लाख ठगे

देहरादून। दिल्ली के द्वारका निवासी एक सेवानिवृत्त फौजी को दून में जमीन दिलाने के नाम पर 66 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ति ने न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम देहरादून में गुहार लगाई। वहां से हुए आदेश पर पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर समेत दो आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। रिटायर फौजी बिक्रम सिंह रावत निवासी अम्बिका एनक्लेव सेक्टर–15 द्वारका दिल्ली ने कोर्ट में अपील की। कहा कि उन्होंने 19 जनवरी 2024 को प्रॉपर्टी डीलर जय डीबा एसोसिएट्स ग्रीन सिटी, गोरखपुर, शिमला रोड के बिरेंद्र सिंह भंडारी से संपर्क किया था। भंडारी ने उन्हें शीशमबाड़ा स्थित एक जमीन दिखई। जो उन्हें पसंद आ गई। 20 जनवरी 2024 को तीन प्लॉट (रकबा 145.57 वर्ग मीटर, 175.88 वर्ग मीटर और 222.70 वर्ग मीटर) का सौदा 85 लाख रुपये में तय हुआ। बिरेंद्र सिंह भंडारी ने उनसे तत्काल 66 लाख रुपये देने को कहा। जिसमें से 32 लाख 70 हजार रुपये पदम सिंह निवासी माजरा माफी, आईआईपी मोहकमपुर के खाते में जमा करने को कहा गया। शेष ₹33,21,000 कैश बिरेंद्र सिंह भंडारी को दिए।

सर्किल बार में आग की घटना पर डीएम सख्त

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने शहर के राजपुर रोड स्थित सर्किल बार में हुई आगजनी की घटना को गंभीरता से लेते हुए बार का लाइसेंस 15 दिन के लिए निलंबित कर दिया है। इस घटना की जांच जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर/ प्रभारी अधिकारी आबकारी हरी गिरी के नेतृत्व में संयुक्त टीम गठित कर करवाई।आमजन की सुरक्षा सवोपरि का मंत्र लिए जिला प्रशासन अपने सख्त रुख पर कायम है ताजा मामला राजपुर रोड स्थित सर्किल बार का है जहां आयोजकों की लापरवाही से आगजनी की घटना हो गई सुरक्षा मानकों की पूर्ण तरह अहवेलना करना प्रकाश में आया जिस पर सख्त रुख अपनाते हुए जिलाधिकारी ने बार का लाइसेंस निलंबित कर दिया है।जिलाधिकारी ने संयुक्त टीम बनाकर घटना की जांच कराई जांच में मानको का उल्लंघन एवं घोर लापरवाही सामने आई जिससे बड़ी जनहानि हो सकती थी।

इसको गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा बार का लाइसेंस 15 दिन के लिए निलंबित कर दिया गया है। संयुक्त जांच टीम ने निरीक्षण के दौरान पाया कि राजपुर रोड़ स्थित सर्किल बार एफ0एल0–7 बार में तृतीय तल के हॉल में जिसमें घटना के समय लगभग 40–50 लोगों की भीड़ मौजूद थी, दो बार मैन प्रदर्शन कर रहे थे, जिसमें आग से खेला जा रहा था तथा इस दौरान दो बार मैन झुलस गये। इस कृत्य से वहां मौजूद सभी लोगों के आग मे झुलसने की सम्भावना थी एवं बड़ी आगजनी की घटना घटित हो सकती थी, हॉल की सीलिंग में लकड़ी और टहनियों का कार्य किया गया है,

निदेशक आयुर्वेदिक एवं यूनानी ने किया हल्दूखाता में निर्माणाधीन अस्पताल का निरीक्षण

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता बरतने के दिये निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अपर सचिव आयुष शिक्षा विभाग एवं निदेशक डॉ. विजय कुमार जोगदंडे ने मंगलवार को कोटद्वार क्षेत्र में हल्दूखाता में बन रहे 50 बेड के आयुष अस्पताल और सिम्बलचौड़ में 10 बेड के अस्पताल में चल रहे मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्था पेयजल निगम को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं, ताकि शीघ्र ही स्थानीय नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

निरीक्षण के दौरान अपर सचिव आयुष शिक्षा विभाग एवं निदेशक ने हल्दूखाता में निर्माणाधीन अस्पताल की इमारत, बाहरी परिसर और अधोसंरचना की बारीकी से जांच की। उन्होंने अस्पताल परिसर के बाहर वर्षा जल जमा होने पर पेयजल निगम के अधिकारियों को तत्काल जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अस्पताल निर्माण में उपयोग हो रही सभी सामग्रियों की सैंपलिंग कराएं, ताकि गुणवत्ता में कोई कमी न रहे। कहा कि आयुष अस्पतालों के निर्माण में देरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य किया जाय और सभी तकनीकी पहलुओं की नियमित जांच की जाय। इसके उपरांत उन्होंने सिम्बलचौड़ स्थित 10 बेड के अस्पताल में चल रहे मरम्मत कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल निगम को 15 दिनों के भीतर सभी कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों के संचालन में विलंब से जनता को नुकसान होता है, इसलिए समयबद्धता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी कोटद्वार शालिनी मौर्य, जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी शैलेंद्र पांडेय, अधिशासी अभियंता पेयजल निगम वीरेंद्र भट्ट, तहसीलदार साक्षी उपाध्याय सहित अन्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने किया हल्द्वानी सिटी बस सेवा का शुभारंभ

सीएम बोले सस्ती–सुरक्षित परिवहन सुविधा से बदलेगा शहर का चेहरा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : हल्द्वानी शहर के आम नागरिकों के लिए मंगलवार का दिन नई राहत लेकर आया, जब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी सिटी बस सेवा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस परिसर से हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिटी बस सेवा का शुभारंभ शहर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सेवा से नागरिकों को सस्ती, सुलभ और सुरक्षित परिवहन सुविधा मिलेगी। कहा कि इस पहल से शहर के यातायात दबाव में कमी आएगी, प्रदूषण घटेगा और ऊर्जा संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य उत्तराखंड के प्रत्येक नगर में आधुनिक, पर्यावरण अनुकूल और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था विकसित करना है, ताकि आम जन को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध हो सके। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि सिटी बस सेवा को चरणबद्ध तरीके से शहर के प्रमुख मार्गों पर प्रारंभ किया जाएगा, जिससे स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों तथा नौकरीपेशा लोगों को अधिक सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर विधायक बंशीधर भगत (कालाढूंगी), राम सिंह कैड़ा (भीमताल), भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत, आईजी श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री अनामिका सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा आत्मनिर्भर कार्यशाला में स्वदेशी सामान के उपयोग का संकल्प लिया

देहरादून। भाजपा मसूरी मंडल मसूरी आत्म निर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं का आह्वान किया गया कि आत्म निर्भर भारत को बनाने के लिए आगे आयें, स्वदेशी सामानों की खरीद करें व छोटे छोटे उद्योग लगा कर कार्य शुरू करें। मंगलवार को राधा कृष्ण मंदिर में आयोजित भाजपा मसूरी मंडल आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान में बतौर मुख्य अतिथि जिला टिहरी के उपाध्यक्ष वीरेंद्र राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा का पूरे देश में मिशन चल रहा है कि आत्म निर्भर भारत बनाने के लिए सभी को स्वदेशी का उपयोग करना है चाहे कपड़े हो, या खानेपीने की वस्तुएं हो। प्रधानमंत्री मोदी कि भारत 2047 में विकसित भारत की कल्पना है जिसके तहत देश भर में आत्म निर्भर भारत के तहत अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो महिला समूह उत्पादन कर रही है उन्हें खरीदे, छोटे छोटे लघु उद्योग लगाये व उसी सामान को खरीदें। उन्होंने कहा कि पहले देश पर मुगलों ने राज किया फिर अंग्रेजों ने राज किया। केंद्र में भाजपा की सरकार आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्म निर्भर भारत का सपना देखा व उसका संकल्प लिया। उसी को आगे बढ़ाने के लिए पूरे देश में आत्म निर्भर भारत बनाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं ताकि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बन सके। इस मौके पर भाजपा मसूरी मंडल के अध्यक्ष रजत अग्रवाल ने कहा कि आत्म निर्भर भारत को बनाने के लिए जनता के बीच जाकर अभियान चलाना होगा व यह समझाना पड़ेगा कि भारत को आत्म निर्भर बनाने के लिए भारतीय वस्तुओं का उपयोग करना पड़ेगा।

1456 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री ने प्रदान किये नियुक्ति पत्र

1347 सहायक अध्यापकों, 109 समीक्षा एवं सहायक समीक्षा अधिकारियों को मिली नियुक्ति

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को दून मेडिकल कॉलेज, पटेल नगर में 1456 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। इसमें लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित 109 समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी और उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित 1347 सहायक अध्यापक (एल.टी.) शामिल हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह अवसर नियुक्ति अभ्यर्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, साथ ही राज्य के उज्ज्वल भविष्य की नींव निर्धारण के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने नवनियुक्त युवाओं से अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण की भावना के साथ करने की अपेक्षा करते हुए कहा कि अपने कार्य क्षेत्र में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी राज्य की शासन व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण आधार उसका प्रशासनिक तंत्र होता है। सचिवालय को राज्य की शासन व्यवस्था का मस्तिष्क कह सकते हैं, क्योंकि यहीं पर नीतियां बनती हैं, निर्णय लिए जाते हैं और विकास परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का खाका तैयार किया जाता है। इस पूरी व्यवस्था को प्रभावी बनाने में समीक्षा अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब एक बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलती है, तो वह अपने जीवन को बेहतर बनाने के साथ समाज और देश के लिए भी अमूल्य योगदान देता है। शिक्षक के कर्तव्य है कि वे बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के साथ ही उनके भीतर समाज और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना का भी संचार करें, जिससे वे अच्छे नागरिक बन सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार सालों में राज्य में 26 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी में सेवायोजित किया जा चुका है। यह संख्या राज्य के गठन के पश्चात् से पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में मिली कुल नौकरियों से दो गुना से भी अधिक हैं। आज हमारे युवा पारदर्शी व्यवस्था और मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरियों में अवसर पा रहे हैं। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि शिक्षा विभाग में नियुक्तियों का सिलसिला लगातार जारी रहेगा जल्द ही बीआरपी, सीआरपी, बेसिक अध्यापकों और चतुर्थ श्रेणी में नियुक्तियां प्रदान की जायेगी। उन्होंने नियुक्ति प्राप्त करने वाले सभी अध्यापकों से कहा कि सबको दुर्गम क्षेत्रों में नियुक्ति प्रदान की जा रही है। कुछ साल सभी को अनिवार्य रूप से दुर्गम क्षेत्रों में सेवाएं देनी है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, विधायक विनोद चमोली, सचिव रविनाथ रमन, दीपेन्द्र चौधरी एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

रामलीला मंचन को देखने के लिए उमड़ रही दर्शकों की भीड़

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : नगर पंचायत अध्यक्ष सतपुली में आयोजित रामलीला मंचन के आठवें दिन हनुमान जी का समुद्र लांघना, अशोक वाटिका ध्वस्त, अक्षय कुमार वध, लंका दहन आदि लीला का मंचन किया गया। रामलीला मंचन को देखने के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है।

सतपुली में आयोजित पौराणिक रामलीलाओं में से एक है। नयारघाटी रामलीला समिति सतपुली द्वारा आयोजित 12 दिवसीय मंचन का आठवां दिवस का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष सतपुली जितेंद्र सिंह चौहान के प्रतिनिधि के रूप में सेवानिवृत प्रधानाचार्य उम्मेद सिंह रावत ने किया। हालांकि दर्शक दीर्घा में नगर पंचायत अध्यक्ष एक साधारण दर्शक के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने पिताजी स्वर्गीय सुंदर सिंह चौहान स्वर्गवासी होने के कारण रामलीला मंच पर जाना उचित नहीं समझा। उन्होंने दर्शक दीर्घा से रामलीला समिति एवं दर्शकों को संबोधित करते हुए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नयारघाटी सतपुली को दीर्घकालीन से ही धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों लिए जाना जाता है। ऐसे धार्मिक आयोजन अनवरत होने चाहिए, ताकि हमारी नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और धर्म से जुड़ने का असवर मिलता रहे। उन्होंने कहा कि सतपुली नगर की किसी भी प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों हमेशा ही चौहान परिवार आगे रहा है और आगे भी रहेगा। सीता के अभिनय में प्रीति कोली, हनुमान की भूमिका में पवन शर्मा, रावण जयदीप नेगी घना भाई, मेघनाथ की भूमिका प्रशांत बोठियाल ने निभाई। इस अवसर पर रामलीला समिति अध्यक्ष गंगा सिंह बिष्ट, प्रेम सिंह रावत, अमित रावत, लोकेश वर्मा, बृजमोहन रावत, संजय कुकरेती, जगदम्बा डंगवाल आदि मौजूद थे। संचालन अचलानंद डोबरियाल और सत्यनारायण बेदी ने किया।

कार्यकर्ता स्वदेशी को घर–घर पहुंचाने का करें कार्य: शैलेंद्र बिष्ट

नई टिहरी। भाजपा टिहरी विधानसभा क्षेत्र की आत्म निर्भर भारत अभियान सम्मेलन में स्वदेशी को घर–घर पहुंचाने पर जोर दिया।

कहा कि हर कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात को सुनकर उसकी फोटोग्राफ्स सरल एप और नमो एप पर जरूर अपलोड करें। कहा कि भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया है,उसे साकार करने में हर कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिला मुख्यालय में आयोजित सम्मेलन का प्रदेश उपाध्यक्ष व जिले के प्रभारी शैलेंद्र बिष्ट ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति,विरासत और यहां बनी वस्तु पर

देशवासी को गर्व होना चाहिए। कहा कि जागरण अभियान के माध्यम से लोगों को स्वदेशी का उपयोग करने लिए प्रेरित किया जाए। कहा कि संघ के पंच परिवर्तन में स्वदेशी को भी शामिल किया गया है। जिलाध्यक्ष उदय रावत ने कहा कि संगठन के द्वारा दिए जाने वाले कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक सम्पादित करने में पार्टी पदाधिकारियों से लेकर हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। सम्मेलन के संयोजक व विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम पुष्कर सिंह धामी जनहित के लिए कार्य कर रहे हैं।

क्षेत्र पंचायत सदस्यों के लिए पांच दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण शुरू

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक के नवनिर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्यों के लिए पांच दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण शुरू हो गया है। जिसमें विषय विशेषज्ञ सदस्यों को योजना निर्माण, क्रिन्यान्वयन, बजट,निगरानी सहित विभिन्न सत्रों में कई अहम जानकारी देंगे। मंगलवार को ब्लॉक सभागार टिपरी में उत्तराखंड पंचायती राज विभाग की ओर से राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत आयोजित क्षमता विकास प्रशिक्षण का ब्लॉक प्रमुख राजेश नौटियाल ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। बीडीओ रोशन लाल ने बताया कि कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा सदस्यों को पंचायती राज व्यवस्था,क्षेत्र पंचायत विकास योजना सहित जिला योजना और अन्य योजनाओं के संबंध में गहन जानकारी देंगे। साथ ही ब्लॉक का बजट बनाने, मनरेगा के तहत कराए जाने वाले कार्य, जल संरक्षण, जल संवर्धन के संबंध में भी बताया जाएगा। इसके अलावा टाइड और अनटाइड फंड,राज्य और केंद्रीय वित्त से संबंधित विषयों पर भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष विपुल मैंदोली का मसूरी में जोरदार स्वागत

देहरादून। भाजपा युवा मोर्चा के नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष विपुल मैंदोली का पहली बार मसूरी आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। उन्हें भाजपा मसूरी मंडल, भाजयुमो मसूरी शाखा सहित भाजपा के प्रकोष्ठों ने सम्मानित किया। मंगलवार को राधाकृष्ण मंदिर में प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष विपुलव मैंदोली पहुंचने पर जोरदार आतिशबाजी की गयी व सभागार में उनका स्वागत कर सम्मान किया गया। प्रदेश भाजयुमो अध्यक्ष विपुल मैंदोली ने पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं का शेष धन्यवाद किया जिन्होंने उन्हें यह दायित्व दिया। उन्होंने कहा कि आगामी एक वर्ष बाद विधानसभा चुनाव होने हैं , जिसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी गयी है। यूथ की एक्टिविटी को और अधिक मजबूत करने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहाकि प्रदेश की सभी सत्तर विधानसभाओं में सभी बूथों पर युवाओं की प्रमुख भूमिका रहे इसका प्रयास किया जायेगा व यही प्राथमिकता रहेगी।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर बच्चे का अधिकार: विधायक नेगी

नई टिहरी। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय सुनखेत सिलवाल गांव में पुनर्निर्मित भवन का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया। इस मौके पर विधायक नेगी ने कहा की अच्छी व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है। इस भवन के बनने से विद्यार्थियों को पढ़ाई में सुविधा होगी। यहां आयोजित कार्यक्रम में नेगी ने कहा कि सरकार को चाहिए कि पहाड़ के दूरस्थ इलाकों में स्वास्थ्य, शिक्षा व सड़क पर फोकस कर सुविधायें प्रदान करे। विद्यालय के भवन अच्छे हों। उनकी समय से मरम्मत हो। जो क्षेत्र के लोगों व बच्चों का अधिकार है और हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने छात्रों को ठीक से पढ़ाई कर भविष्य के प्रति पूरी ताकत से आगे बढ़ने की अपील कर कहा कि कठिन परिश्रम से सफलता हाथ आती

है। छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिक्षा को लेकर लापरवाह न रहें। शिक्षा ही सभी अंधकारों से बाहर निकालने का काम करती है। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख लक्ष्मी पंवार, ग्राम प्रधान हीरा लाल शाह, इंद्र मोहन भट्ट, प्रवीन पंवार, सरिता, श्रीरेंद्र महर, नवीन लाल शाह, प्रवीन लाल शाह, सौरभ रावत, बीडीसी मेंबर पार्वती देवी, बालम सिंह थलवाल, प्यार सिंह महर, हरीश भट्ट, महेश, शिवा सैनी, संदीप, दीपक, सुभाष, सीमा शाह, गंगा, संजय रावत आदि मौजूद रहे।

डीएम संदीप तिवारी के स्थानांतरण होने पर दी गई भावपूर्ण विदाई

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी का निदेशक समाज कल्याण के पद पर स्थानांतरण होने के बाद मंगलवार को जिला कार्यालय में राजस्व विभाग सहित तमाम जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने सीमांत जनपद चमोली में 13 माह तक अपनी बहुमूल्य सेवाएं दी। उन्होंने 7 सितम्बर 2024 को जनपद चमोली के जिलाधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। विदाई समारोह में मौजूद अधिकारियों ने जिलाधिकारी के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें एक कुशल प्रशासक और सीमांत जनपद चमोली में उनके कार्यकाल को स्वर्णिम बताया।

अधिकारियों ने उनकी की सादगी और उनकी कार्यकुशलता को अविस्मरणीय बताया। कहा कि जिलाधिकारी के मार्ग निर्देशन में सीमांत जनपद में अनेक

नवाचार विकास कार्यों को धरातल पर उतारने में सफलता मिली है।

स्वास्थ्य एवं शिक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय कार्य हुए। अधिकारियों ने कहा कि जिलाधिकारी की कार्यशैली हम सबके लिए प्रेरणादायक है। इस दौरान सभी अधिकारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी। दूसरी ओर से बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों, जन प्रतिनिधियों और पत्रकारों ने भी जिलाधिकारी को स्थानांतरण होने पर भावपूर्ण विदाई दी।

पेयजल एजेंसियों से छीना काम तो सड़कों पर उतरेंगे कर्मचारी

देहरादून। पेयजल निगम डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के मंगलवार को देहरादून में हुए अधिवेशन में पेयजल योजनाओं के बिखराव पर एकसुर में नाराजगी जताई गई। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि पेयजल योजनाओं के इस बिखराव का खामियाजा आम जनता के साथ सरकारी कर्मचारी, इंजीनियर तक भुगत रहे हैं। इस समस्या के स्थाई समाधान को पेयजल एजेंसियों का एकीकरण करते हुए पेयजल को राजकीय विभाग बनाया जाए। ऐसा न होने पर कर्मचारी आंदोलन करते हुए सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। अधिवेशन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रतिनिधि के रूप में मौजूद विधायक उमेश शर्मी को संघ प्रतिनिधियों ने मांग पत्र सौंपा। महासचिव अजय बेलवाल ने कहा कि आज एक ही गांव, मोहल्ले में कहीं जल निगम, कही जल संस्थान और एडीबी के बजट से पेयजल लाइनें बिछाई गई हैं। इन योजनाओं, लाइनों में फॉल्ट आने पर जनता विभागों के बीच पिस रही है। कहा कि कुछ समय बाद न जनता को और न ही एजेंसियों को इस बात की जानकारी हो पाती है कि योजनाएं किसके अधीन हैं। ऐसे में इस असमंजस की स्थिति से बचने और जवाबदेही सुनिश्चित किए जाने को पेयजल एजेंसियों का एकीकरण करते हुए, पेयजल को तत्काल राजकीय विभाग बनाया जाए। कहा कि पूर्व में हुए समझौते के अनुसार कर्मचारी, पेंशनर्स को ट्रेज़री से वेतन, पेंशन भुगतान सुनिश्चित कराया जाए। सीएम के प्रतिनिधि के रूप में विधायक उमेश शर्मी ने कहा कि संघ की मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469 / 79
फोन / फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com